राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार,31जुलाई2020 वर्ष-3, अंक -185 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

22 साल बाद लंदन से भारत वापस आएगी 1998 में राजस्थान से चोरी हुई नटेश शिव की दुर्लभ मूर्ति

नई दिल्ली। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में घाटेश्वर मंदिर से नटेश शिव की 9वीं शताब्दी की एक दुर्लभ मूर्ति की 1998 के फरवरी महीने में चोरी हो गई थी। उस मुर्ति को लंदन में बरामद किया गया था। 22 साल के बाद अब उसे वापस भारत लाया जा रहा है। शिव की मुर्ति को आज भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विभाग को सौंप दिया जाएगा। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि जब हमें 2003 में इस बात की जानकारी मिली थी कि मुर्ति की तस्करी कर ब्रिटेन ले जाया गया है, तभी ब्रिटिश अधिकारियों को सतर्क कर दिया गया था। इसके लिए उन्होंने लंदन के एक प्राइवेट कलेक्टर के साथ बातचीत की थी, जिसने इसे बरामद कर अपने कब्जे में ले लिया था और स्वेच्छा से 2005 में इसे भारतीय उच्चायोग को लौटा दिया। तब से भगवान शिव के इस दुर्लभ प्रतिमा को इंडिया हाउस में प्रदर्शनी में लगाया गया था। अगस्त 2017 में एएसआई विशेषज्ञों की एक टीम ने मूर्ति की जांच की और पुष्टि की कि यह वही मूर्ति है, जिसे बरोली गांव के घाटेश्वर मंदिर से

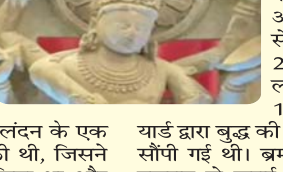

चुराया गया था। हाल ही में बरामद की गई वस्तुओं में नवनीत कृष्ण की 17वीं शताब्दी की कांस्य मूर्ति और दूसरी शताब्दी का चूना पत्थर से बना स्तंभ को 15 अगस्त 2019 को अमेरिकी दूतावास द्वारा लौटाया गया था। इसके अलावा 15 अगस्त, 2018 को स्कॉटलैंड यार्ड द्वारा बुद्ध की 12 वीं शताब्दी की कांस्य प्रतिमा सौंपी गई थी। ब्रम्हा-ब्राह्मणी मूर्तिकला, जो कि से गुजरात से चुराई गई थी, 2017 में एएसआई में वापस आ गई।

बिहार में बाढ़ ने मचाई तबाही, 12 जिलों की 39 लाख आबादी प्रभावित, गंगा समेत 9 नदियां लाल निशान से ऊपर

पटना। बिहार में बाढ़ की स्थिति निरंतर विकराल होती जा रहा है। राज्य के 12 जिलों के 102 प्रखंडों की 923 पंचायतों की 39 लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित हो चुकी है। आपदा प्रबंधन विभाग के अपर सचिव रामचंद्रुडु ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चलाए जा रहे हैं। विभिन्न जिलों में 843 सामुदायिक किचेन चलाए जा रहे हैं। यहां पर प्रतिदिन चार लाख 70 हजार लोगों को भोजन कराया जा रहा है। राज्य में 23 राहत शिविर भी लगाए गए हैं, जहां पर 22 हजार लोगों को रखा गया है। बाढ़ से जो जिले प्रभावित हैं, उनमें सीतामढ़ी, शिवहर, सुपौल, किशनगंज, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, खगड़िया, सारण और समस्तीपुर शामिल हैं।

गंगा समेत नौ नदियां फिर पहुंच गईं लाल निशान से ऊपर–बिहार की नदियों में इस बार गजब का उतार-चढ़ाव दिख रहा है। रोज इनके जलस्तर में बदलाव हो रहा

है। बुधवार को अधवारा नदी थोड़ा नीचे उतरी तो बागमती और बुढ़ी गंडक ने आखें लाल कर ली। इन दोनों नदियों का जलस्तर कई जगहों लाल निशान से दो मीटर से भी ज्यादा ऊपर चढ़ गया है। बुढ़ी गंडक तो रोसड़ा रेलपुल के पास लाल निशान से तीन मीटर ऊपर बहने लगी है। बुधवार को भी आठ नदियां लाल निशान से ऊपर हैं। गंगा भी कहलगांव में लाल निशान से ऊपर चल रही है। हालांकि इसके जलस्तर में कोई बदलाव नहीं है और पटना में यह अब भी लाल निशान से काफी नीचे है। लेकिन अगर गंगा को जोड़ लें नौ नदियां लाल निशान से ऊपर हो गई हैं।

गंडक नदी में बुधवार को डुमरियाघाट में लाल निशान से लगभग डेढ़ मीटर ऊपर है। इस नदी का डिस्चार्ज बाल्मीकीनगर बराज पर थोड़ा कम हुआ है। वहां इसका डिस्चार्ज दो लाख 24 हजार घनसेक दर्ज किया गया। कोसी नदी का डिस्चार्ज थोड़ा गिरा है। बराह क्षेत्र में 1.49 लाख घनसेक और बराज पर दो लाख घनसेक डिस्चार्ज दर्ज किया गया। नदी का जलस्तर बालतारा में लाल निशान से लगभग पौने दो मीटर से अधिक ऊपर है। गंगा का जलस्तर मंगलवार को सभी जगहों पर गिरा है लेकिन कहलगांव में यह नदी लाल निशान को पार कर गई है। वहां यह नदी14 सेमी ऊपर बह रही है। दूसरी नदियों में बागमती सीतामढ़ी के कटौंझा में लाल निशान से 2.12 मीटर ऊपर चली गई है। मुजफ्फरपुर में 93 सेमी और दरभंगा में दो मीटर नौ सेमी मीटर ऊपर बह रही है।

अब कोरोना से जंग जीत जाएगा इंडिया–देश में 150 दिनों में 10 लाख से अधिक मरीज हुए ठीक, सिर्फ इन 3 राज्यों से 53 प्रतिशत रिकवरी

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में कोरोना वायरस की दहशत है, मगर इस बीच भारत के लिए राहत की खबर है। बुधवार को भारत में कोरोना वायरस से ठीक हो चुके मरीजों की संख्या 10 लाख पार कर गई। भारत में जिस तेजी से कोरोना वायरस पांव पसार रहा है, वैसे हालात में रिकवर होने वाले मरीजों की यह संख्या बहुत बड़ी उम्मीद है।

बुधवार की रात तक, पूरे भारत में 1,582,730 संक्रमितों में से 1,019,297 लोग इस बीमारी से उबर चुके थे, जबकि 33,236 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल, देश में कोरोना वायरस के कुल 528,459 सक्रिय मामले हैं।

केजरीवाल ने दिल्ली के कोविड अस्पतालों से जुड़े होटलों को दी बड़ी राहत

रिकवर हो चुके कोरोना संक्रमितों और एक्टिव केसों की संख्या के बीच यह गैप वह प्रमुख आंकड़ा है, जो कोविड-19 के खिलाफ देश की लंबे समय से चल रही लड़ाई में आशा की किरण दिखाता है। हालांकि, यह अंतर हमेशा नहीं था।

देश में कोरोना के आंकड़ों पर गौर करें तो 2 मार्च के बाद से रिकवर होने

वाले मरीजों की संख्या 10 लाख पार पहुंचने में 150 दिन लगे। यहां ध्यान देने वाली बात है कि 250000 लाख रिकवर होने में 114 दिन लगे थे। भारत ने 12 जुलाई को 750,000 रिकवरी पार कर ली थीं।

पूरे देश में 64.4 फीसदी कोरोना मरीज कोविड-19 को मात देकर रिकवर हो चुके हैं, जो वैश्विक औसत 61.9 से अधिक है। दिल्ली में रिकवरी रेट काफी बेहतर है। दिल्ली में सबसे अधिक 133,310 लोग रिकवर हो चुके हैं जो 89त्न के साथ रिकवर किए गए लोगों का अनुपात सबसे अधिक है। वहीं, लद्दाख में 80 फीसदी लोग रिकवर हो चुके हैं, हरियाणा में 78 फीसदी, असम में 76 फीसदी, तेलंगाना में 75 फीसदी कोरोना मरीज रिकवर हो चुके हैं। ये पांच राज्य रिकवरी के मामले में सबसे बड़े अनुपात वाले राज्य हैं।

देश का पहला अस्पताल बना एम्स ऋषिकेश जहां एयर लिफ्ट होकर पहुंचेगे मरीज

वहीं, महाराष्ट्र के 400,651 मामलों में से 239,755 ने रिकवरी की है। तमिलनाडु में 234,114 मामलों में से 172,883 मामले रिकवर किए जा चुके हैं। इस तरह से तमिलनाडु सबसे अधिक रोगियों को डिस्चार्ज करने वाला दूसरा राज्य है।

इस तरह से देखा जाए तो देश में 53 फीसदी कोरोना वायरस के मरीजों की रिकवरी सिर्फ महाराष्ट्र, तमिलनाडु और दिल्ली में ही हुई है। हालांकि, इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इन तीन राज्यों में ही कोरोना वायरस ने सबसे अधिक तबाही मचाई है। देश में कोरोना कुल मामलों में 48.5 फीसदी हिस्सा इन तीन राज्यों का है।

राम मंदिर के भूमि पूजन के दिन राम लला को पहनाई जाएगी हरे रंग की पोशाक, जानें उसकी खासियत

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच अगस्त को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लि भूमि पूजन करेंगे। इस दौरान राम लला की मूर्ति को भगवा बॉर्डर वाले हरे रंग की पोशाक पहनाए जाने की संभावना है। पोशाक नवरत्न युक्त होंगे, जिसे चार पीढ़ियों से राम लला के कपड़े सिल रहे बाबू लाल टेलर्स के द्वारा तैयार किया जाएगा। 'बाबू लाल टेलर्स' की दुकान दो भाइयों भागवत प्रसाद और शंकर लाल चलाते हैं। वे केवल मंदिरों में देवी-देवताओं के लिए कपड़े सिलते हैं। प्रसाद ने कहा कि उनके पिता ने कई वर्षों तक राम लला की पोशाकें सिलीं और उन्होंने इस विरासत को जारी रखा। भागवत प्रसाद ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, ÷राम लला के कपड़े चार पीढ़ियों से हमारी दुकान पर सिले जा रहे हैं। मेरे पिता के निधन के बाद, हम उनकी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। हम इस स्थल पर जाते थे और अपने पिता के साथ राम लला के कपड़े सिलते थे। 1992 में उनकी मृत्यु हो गई। राम लला के कपड़े यहां मेरी दुकान पर सिले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को पहले सिले हुए कपड़े के सात सेट दिए और उसके बाद भक्त भी देवता के लिए कपड़े लेने आए। भागवता प्रसाद के मुताबिक, राम लला की मूर्ति के लिए पोशाक में नवरत्न होंगे। रामदल सेवा ट्रस्ट के कल्कि राम ने 5 अगस्त के लिए दो ड्रेस के लिए ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा, क हरे रंग का है और दूसरा केसरिया है और ये दो-तीन दिनों में पूरा हो जाएगा। बुधवार का दिन भगवान गणेश का दिन है और हरा रंग देवता के साथ जुड़ा हुआ है। हरे रंग की पोशाक में केसर के बॉर्डर होंगे।÷ भागवत प्रसाद ने कहा कि राम लला के लिए सोमवार के लिए सफेद रंग और मंगलवार के लिए लाल रंग की पोशाक बनाने के ऑर्डर दिए गए हैं। रामदल सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित कल्कि राम ने कहा कि राम लला की वेशभूषा को भूमि पूजन के लिए भव्य तरीके से तैयार किया जाएगा।

'मोदी ने कहा था जिस दिन राम मंदिर निर्माण शुरू होगा मैं वापस आऊंगा'

अयोध्या

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 अगस्त को अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन करने जा रहे हैं। दरअसल वह जाने-अनजाने अपने से किए एक 'वादे' को भी पूरा करने जा रहे हैं। आज से ठीक 29 साल पहले राम मंदिर आंदोलन के दौरान 1991 में उन्होंने एक फोटोग्राफर से बात करते हुए कहा था कि जिस दिन राम मंदिर का निर्माण शुरू होगा, वह वापस आएंगे। सोशल मीडिया पर 1991 की मोदी और बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी की वायरल हो रही तस्वीर को खींचने वाले फोटोग्राफर महेंद्र त्रिपाठी ने यह खुलासा किया है।

मंदिर निर्माण का कार्य भी ऐसे विकट समय में आरंभ, भूमि पूजन हो रहा है, जिसमें सम्मिलित होने की चाह रखने वाले करोड़ों लोग, उसमे शामिल नहीं हो सकेंगे।

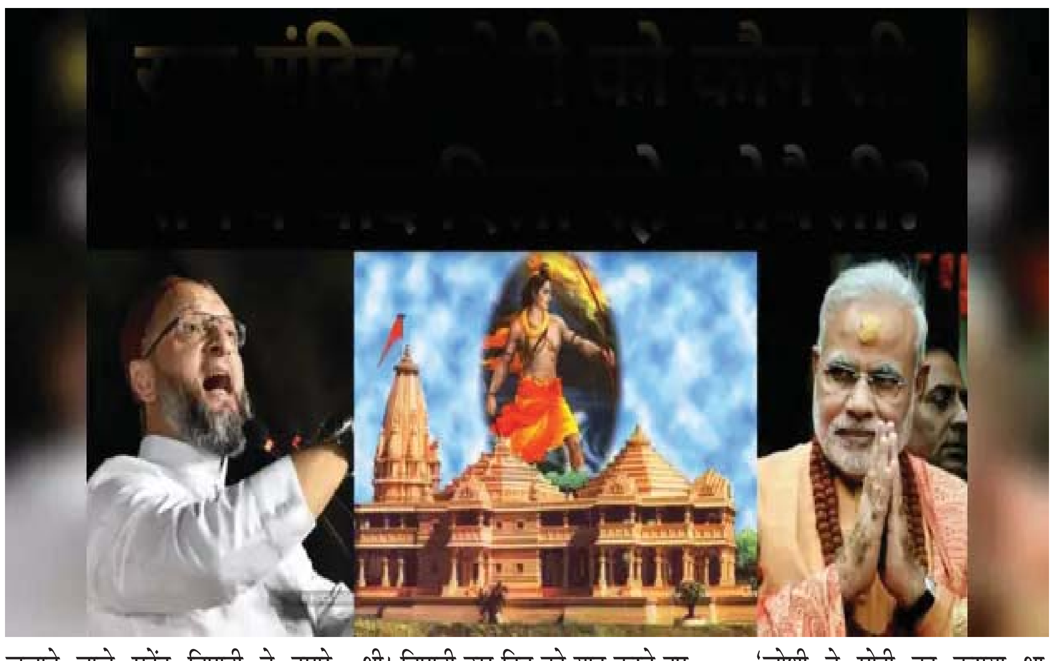

रामजन्मभूमि के पास फोटो स्टूडियो चलाने वाले महेंद्र त्रिपाठी ने हमारे सहयोगी अखबार से बातचीत में दावा किया कि 1991 में मोदी की यह दुर्लभ तस्वीर उन्होंने ही खींची थी और उस दौरान उनकी मोदी से भी बातचीत हुई थी। त्रिपाठी उस दिन को याद करते हुए बताते हैं, ' मोदी बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी के साथ अप्रैल 1991 में अयोध्या आए थे और उन्होंने विवादित क्षेत्र का दौरा किया था।'

'जोशी ने मोदी का कराया था परिचय'

त्रिपाठी आगे बताते हैं कि वह अयोध्या में एकमात्र फोटोग्राफर थे और वीएचपी से जुड़े हुए थे। इस दौरान उन्होंने यह फोटो खींचा था। त्रिपाठी बताते हैं कि जोशी ने पत्रकारों से मोदी का परिचय गुजरात के बीजेपी नेता को रूप में करवाया था।

'जिस दिन मंदिर निर्माण शुरू होगा...'

त्रिपाठी कहते हैं, जब मैंने और स्थानीय पत्रकारों ने मोदी जी से पूछा कि वह फिर कब लौटेंगे तो उन्होंने जवाब दिया था कि जिस दिन राम मंदिर का निर्माण शुरू होगा, वह लौटकर आएंगे। यह संयोग ही है कि सुप्रीम कोर्ट से राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ होने के बाद मोदी 5 अगस्त को भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे हैं।

भूमि पूजन में त्रिपाठी को नहीं मिला न्योता

हालांकि वह भूमि पूजन कार्यक्रम में न बुलाए जाने से नाराज हैं। त्रिपाठी कहते हैं 1989 से वह विश्व हिंदू परिषद के लिए फोटोग्राफी कर रहे हैं।

आज से ठीक 29 साल पहले राम मंदिर आंदोलन के दौरान 1991 में उन्होंने एक फोटोग्राफर से बात करते हुए कहा था कि जिस दिन राम मंदिर का निर्माण शुरू होगा, वह वापस आएंगे। सोशल मीडिया पर 1991 की मोदी और बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी की वायरल हो रही तस्वीर को खींचने वाले फोटोग्राफर महेंद्र त्रिपाठी ने यह खुलासा किया है।

उनकी तस्वीरों की अयोध्या फैसले में भी अहम भूमिका रही है, बावजूद इसके उन्हें भूमि पूजन कार्यक्रम का न्योता नहीं दिया गया है।

बिहार में मेडिकल वेस्ट को लेकर लापरवाही, कचरे के ढेरों पर पहुंच रहा घातक अपशिष्ट

पटना। बिहार मेडिकल वेस्ट को लेकर राज्य के तमाम अस्पताल संजीदा नहीं हैं। इसे भी सामान्य कचरे संग मिला रहे हैं। ऐसे में यह भी बाकी कचरे के साथ शहरी निकायों को जहां-तहां लगाए गए कूड़े के ढेरों तक पहुंच रहा है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद द्वारा हाल ही में कराए गए अस्पतालों के निरीक्षण में यह बात फिर सामने आई है। पूर्व के निरीक्षणों में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली थी। पर्षद के चेताने का भी इन अस्पतालों पर कोई असर नहीं है। जबकि मेडिकल वेस्ट सीधे तौर पर घातक बीमारियों के संक्रमण को न्योता दे रहा है। प्रदूषण नियंत्रण पर्षद ने हाल ही में एम्स, पीएमसीएच, एनएमसीएच, आईजीआईएमएस, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्डियोलॉजी आदि राज्य के प्रमुख अस्पतालों का निरीक्षण कराया था। यूं तो यह निरीक्षण खासतौर से कोविड कचरे का निस्तारण देखने के लिए किया गया था। मगर इस दौरान मेडिकल वेस्ट के प्रबंधन और निस्तारण की हकीकत भी सामने आ गई। कई जगह मेडिकल वेस्ट जहां-तहां पड़ा हुआ मिला। कहीं इसके ढेर लगे थे तो कहीं बाकी कचरे के साथ ही इसे फेंका गया था। पर्षद ने आईजीआईएमएस को भेजे नोटिस में स्पष्ट लिखा है कि भारी मात्रा में मेडिकल वेस्ट वहां जमा मिला, जहां इसे निस्तारित करने वाली एजेंसी को संस्थान ने जगह दे रखी है। इसी अस्पताल में एनपी मेडिकल स्टोर के पीछे भी खुले में मेडिकल वेस्ट बाकी कचरे संग पड़ा मिला था। इसी तरह इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्डियोलॉजी में मेडिकल वेस्ट को नियमानुसार अलग नहीं किया जा रहा था। नोटिस में लिखा है कि कई जगह लेबल लगे हुए तय रंग के बैग भी नहीं मिले। पीएमसीएच को अभी भेजे नोटिस में मेडिकल वेस्ट को लेकर पूर्व में तीन दिसंबर 2019 को भी लापरवाही मिलने का हवाला दिया गया है।

पीपीई किट तक का ठीक से निस्तारण नहीं–कोरोना मरीजों का इलाज करने वाले अस्पताल चिकित्सा कर्मियों द्वारा बचाव के लिए पहने जाने वाले पीपीई किट तक का निस्तारण ठीक ढंग से नहीं कर रहे। इसे लेकर भी लापरवाही बरती जा रही है। इस बात की शिकायत खुद बुडको के एमडी रमन कुमार ने नगर विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा बैठक में की थी। उन्होंने कहा था कि एनएमसीएच के निकट स्थित पंपिंग स्टेशन के पास प्रयोग की हुई पीपीई किट को डंप किया जा रहा है।

तीन तलाक कानून के 1 साल पूरे होने पर कानून मंत्री बोले- 'हम मुस्लिम बहनों के साथ'

नई दिल्ली। मुस्लिम समाज की तीन तलाक जैसी कुरीति को खत्म करने वाले कानून को बनाए जाने के 1 साल पूरे होने के मौके पर केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि ये संतोष कि बात है कि कानून बनने के बाद मामले काफी कम हो गए हैं। जब रविशंकर प्रसाद ने पूछा गया कि एक साल होने पर सरकार के लिए ये कितनी बड़ी उपलब्धि है तो उन्होंने कहा कि आज हमें खुशी भी है और पीड़ा भी. जब 20 इस्लामिक देशों ने तीन तलाक नियंत्रित कर लिया था तो भारत को 70 साल क्यों लगना पड़ा? फिर भी इतना विरोध? मुझे अपने प्रधानमंत्री पर गर्व है, जिन्होंने कहा कि बिल्कुल खड़े हो जाओ खावतीनो के साथ, सुप्रीम कोर्ट के अंदर भी और बाहर भी। कानून मंत्री ने कहा कि हमने बार-बार कहा कि ये सवाल ना तो पूजा का है और ना ही प्रार्थना का बल्कि ये सवाल नारी गरिमा का है. आज नारी स्वाभिमान का 1 साल हुआ है और जो खवातीन हैं, जो मुस्लिम बहने हैं उन सबकी मैं हौसला अफजाई

करूंगा, वो हिम्मत से खड़ी रहीं. बड़े संतोष का विषय है कि आज संख्या में कमी आई है। उन्होंने आगे कहा कि तीन तलाक के मामलों में कमी आने के पीछे की वजह कानून में नॉन बेलेबल वारंट का प्रावधान होना है. इसके अलावा बेल में सुनवाई के लिए पत्नी की सुनवाई होनी जरूरी है. हमारी सरकार तो नारी न्याय के प्रति वचनबद्ध है, उसमें अगर ये डेवलपमेंट हुआ है तो ये संतोष की बात है. इसी तरह हम नारी न्याय के लिए काम करते रहेंगे. जब रविशंकर प्रसाद ने पूछा गया कि इस कानून के बाद तीन तलाक कि घटनाओं में पूरी तरह से बंदिश कैसे लगे तो वो बोले कि लोगों को जागरूक करने की जरूरत है और जागरूकता के लिए कानून की ढाल भी जरूरी है, कानून की ढाल बनी तो चीजें बदलीं. हमें लगता है कि हम सभी मिलकर जागरूकता बढ़ाएंगे. समाज में जागरूकता लाने के लिए समाज के अंदर काम करेंगे तो स्थिति और अच्छी होगी। तीन तलाक कानून का कांग्रेस के उस समय संसद के अंदर और बाहर विरोध करने को रविशंकर प्रसाद ने दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया. उन्होंने कहा कि मुझे एक ही बात की पीड़ा हुई कि कांग्रेस पार्टी का दृष्टिकोण समझ नहीं आया. संसद में तीन राउंड इस पर चर्चा हुई, उन्होंने एक बार सपोर्ट किया, दूसरी बार वॉक आउट किया और तीसरी बार विरोध किया. नारी न्याय के नाम पर ऐसी पार्टियां जिनकी नेता देश की प्रतिष्ठित नेत्री हैं, उनके ऊपर शाहबानो से सायरा बानो तक वोट बैंक हावी है. ये पीड़ा की बात है लेकिन खुशी की बात है कि महिलाएं आगे आ रही हैं.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मनोबल में वृद्धि

भारत में राफेल जैसे लड़ाकू विमान का लंबे समय से चल रहा इंतजार खत्म हो गया। पांच विमानों की पहली खेप के भारत पहुंचते ही हमारी ताकत में जो इजाफा हुआ है, उससे निश्चित ही हमारी सेनाओं के मनोबल में वृद्धि हुई होगी। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि हम रक्षा सौदों में दो दशक से ज्यादा ढिलाई की वजह से कोई भी लड़ाकू विमान खरीद नहीं पा रहे थे। जब 2016 में फ्रांस के साथ 36 राफेल के लिए सौदा हुआ, तब हमें भूलना नहीं चाहिए कि उसे लेकर किस तरह के विवाद हुए थे। राजनीतिक क्षेत्र में किस तरह से चर्चाएं हुई थीं। बहुत अप्रिय ढंग से आरोप-प्रत्यारोप लगे थे। संभव है, राजनीतिक विवाद न होते और रक्षा सौदों के प्रति हमारे प्रतिष्ठानों में पूरी निष्ठा व त्वरा होती, तो भारत को नए विमानों के लिए इतना लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता। पिछली सदी में सुखोई विमान खरीदे गए थे, अब 23 साल बाद राफेल मिला है, तो भारत में इसके मानसिक-सामरिक महत्व को समझा जा सकता है। अव्वल तो भारतीय गगन में एक असुरक्षा का भाव आने लगा था, पुराने पड़ चुके मिग विमानों की दुखद स्थिति आए दिन रुलाने लगी थी। ऐसे विमानों को उड़ाने की जरूरत पड़ रही थी कि जिन्हें उड़ते ताबूत तक कह दिया जाता था। बेशक, अब राफेल के आने के बाद हम अपनी वायुसेना के और उज्ज्वल भविष्य की ओर देख सकेंगे। सुखोई-30 जैसे विमान अभी भी सेवारत हैं, लेकिन सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए हमें राफेल या उससे भी विकसित 200 से ज्यादा विमानों की जरूरत है। और अभी तो पांच विमानों के साथ शुरुआत हुई है, अगले साल तक जब सभी 36 राफेल भारत आ जाएंगे, तो जाहिर है, देशवासियों को ज्यादा सुरक्षा का एहसास कराएंगे। राफेल का आना बड़ी खुशखबरी है, लेकिन हमें अपना पारंपरिक संयम भी नहीं खोना चाहिए। भारत ने हथियार या विमान कभी भी किसी पर हमले के लिए नहीं खरीदे हैं, हमारी एक-एक रक्षा खरीद अपने बचाव के लिए है। हमें किसी अन्य देश की जमीन नहीं चाहिए, हमें किसी पर हमला नहीं करना है, हमें केवल अपना बचाव करना है। हां, जो हमसे दुश्मनी पालना चाहते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि भारत ईंट का जवाब पत्थर से दे सकता है। साथ ही, इस रक्षा उपलब्धि के पक्ष या विपक्ष में किसी तरह की सियासत से बचना चाहिए। राफेल का आना हमारे लिए एक प्रेरणा भी है कि हम आगे के लिए और तैयार रहें। संसाधनों से भरे भारत में अब उस दौर का आगाज हो जाना चाहिए, जब हमें किसी भी देश से कोई रक्षा उपकरण खरीदने की जरूरत नहीं पड़े। अभी भारत स्वयं अगर बहुत सक्षम नहीं है, तो उसे दूसरे विकसित सहयोगी देशों के साथ मिलकर अपनी ही सीमा में रक्षा निर्माण उद्यम लगाना चाहिए। यह प्रयास शुरुआत में बहुत महंगा भले लगे, लेकिन दूरगामी रूप से भारत को इससे व्यापक मजबूती मिलेगी। रक्षा के मोर्चे पर कोई भी तैयारी जयघोष के साथ हो, यह जरूरी नहीं। ऐसी तैयारियों को चुपचाप अंजाम देकर परिणाम देश के सामने रख देना चाहिए। राफेल या सुखोई जैसे विमानों के नए संस्करणों पर भारत को काम करना चाहिए। हमें पुराने साथी देशों जैसे रूस को भी साथ रखना होगा। राफेल की रोशनी में उन तमाम रक्षा खरीद और निर्माण योजनाओं में तेजी आनी चाहिए, जिनसे अपना देश और मजबूत होगा।

आज के ट्वीट

बधाई

700 लोगों को फाँसी देने वाले, लाखों का धर्मांतरण करवाने वाले टीपू सुल्तान और उनके पिता हैदर अली की तथाकथित महानता का इतिहास बताने वाले चैप्टर को कर्नाटक सरकार ने पाठ्यक्रम से हटाया। मैं यदुरप्पा को इस फैसले के लिए मैसूर समेत पूरे देश की तरफ से बधाई देता हूँ। अभी तो ये अंगड़ाई है..

--अर्णव गोस्वामी

जनतंत्र की गरिमा-रक्षा का प्रश्न

विश्वनाथ सचदेव

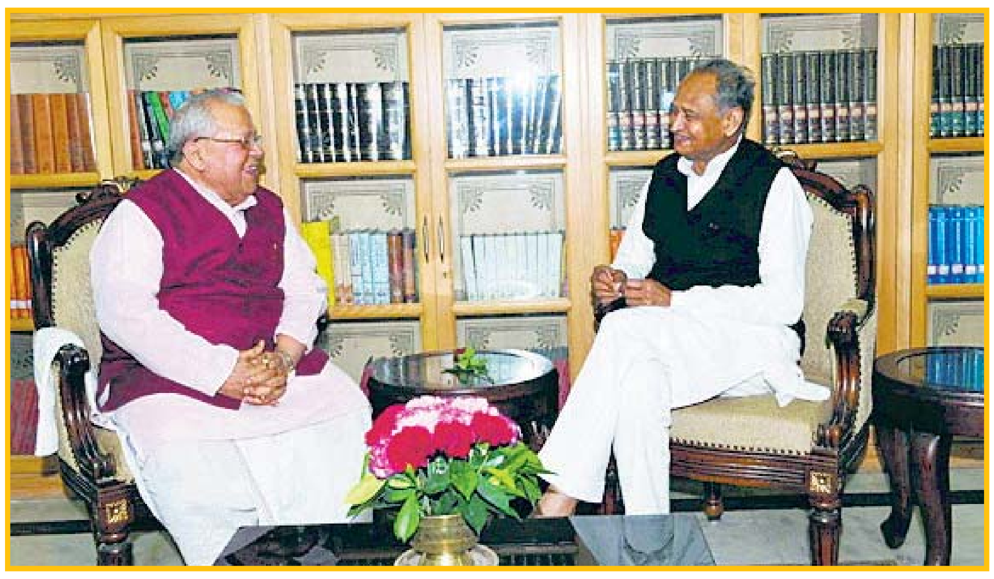

राजस्थान के सत्तारूढ़ दल कांग्रेस के नेताओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से उपजा एक संकट कानून के गलियारों से होता हुआ एक सांविधानिक संकट की ओर बढ़ता दिख रहा है। बात बहुत सीधी थी—सत्तारूढ़ दल के एक युवा नेता को लगा कि उसे उसका देय नहीं मिल रहा है और वह अपने समर्थकों के साथ रूठ कर बैठ गया। अब यह साफ हो चुका है कि उसके पास उतना समर्थन है नहीं, जितना कुछ कर पाने के लिए अपेक्षित है, पर उसने अभी भी अपने पत्ते खोले नहीं हैं। वह कांग्रेस पार्टी में ही रहने का दावा कर रहा है, भारतीय जनता पार्टी में न जाने की घोषणा कर चुका है। इसके बावजूद उसकी नाराज़गी का आखिर मतलब क्या है? स्थिति स्पष्ट करने के लिए और अपना वर्चस्व सिद्ध करने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री विधानसभा की बैठक बुलाकर अपना बहुमत सिद्ध करना चाहते हैं। इसके लिए राज्य के राज्यपाल से वे अब तक कई बार आग्रह कर चुके हैं कि विधानसभा का अधिवेशन आहूत करें। पर राज्यपाल हां या न कहने के बजाय अधिवेशन को यथासंभव टालने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक गुहार लगा चुके हैं। इस प्रकार, राज्य के हित में जहां यह जरूरी है कि राजस्थान का यह गतिरोध समाप्त हो, वहीं एक बार फिर देश में राज्यपालों की भूमिका को लेकर सवाल उठ खड़े हुए हैं। हमारे संविधान में स्पष्ट लिखा गया है कि जिस प्रकार केंद्र में राष्ट्रपति केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह पर काम करता है, उसी तरह राज्यों में राज्यपाल भी राज्य के मंत्रिमंडल की सलाह पर ही काम करेंगे। राज्यपाल के स्वविवेक की बात कही गई है संविधान में, पर यह नितांत असाधारण स्थितियों के लिए है। जहां तक विधानसभा का सत्र बुलाने की बात है, यह तय करना मंत्रिमंडल का स्पष्ट अधिकार है। राज्यपाल को इस संदर्भ में, सिर्फ वही करना होता है जो मंत्रिमंडल कहे। हां वह परामर्श अवश्य दे सकता है, पर यह परामर्श शर्त नहीं हो सकता। लेकिन, राजस्थान के राज्यपाल शर्तें रख रहे हैं। इसलिए, उनके मंतव्य पर सवाल उठ रहे हैं। और यह पहली बार नहीं है कि जब देश में राज्यपालों की भूमिका और मंतव्य पर सवाल उठे हैं। एक लंबा इतिहास रहा है राज्यपालों के अनुचित हस्तक्षेप का। आखिर ऐसा क्यों होता है? इस छोटे-से सवाल का जवाब लंबा हो सकता है, पर संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि विवाद के केंद्र में राज्यपालों की नियुक्ति की नीयत है। नियुक्ति करने वाली केंद्र सरकार की नीयत। केंद्र और राज्यों के बीच राज्यपाल एक पुल का भी काम करते हैं। केंद्र की सरकारें अपनी सुविधा और अपने हितों को देखते हुए ऐसे व्यक्तियों को पुल बनाकर बिठाती हैं जो मुख्यत: केंद्र के हितों की रक्षा का काम करें। इसी नीयत के चलते राज्यपालों की भूमिका अक्सर संदेह के घेरों में आती रही है। इस भूमिका के संदर्भ में संविधान सभा में भी सवाल उठे थे। सवाल राज्यपालों की नियुक्ति को लेकर भी थे। इस खतरे की ओर भी इशारा किया गया था कि राज्यपालों से अनुचित काम लिया जा सकता है। पर अंतत: यह मान लिया गया कि कुल मिलाकर राज्यपाल एक ऐसी सांविधानिक व्यवस्था है, जिसमें संबंधित व्यक्ति अपने पद और गरिमा के अनुकूल काम करेंगे। पर, दुर्भाग्य से, ऐसे उदाहरण भी कम नहीं हैं जब राज्यपालों ने केंद्र में सरकार वाले सत्तारूढ़ दल के हितों और अपनी स्वयं की दलीय आस्था को तरजीह दी। संविधान की रक्षा की शपथ तो सब लेते हैं, पर उस शपथ का पालन अक्सर नहीं होता। अक्सर हमारे राज्यपाल केंद्र सरकार के इशारों पर काम करते पाये गये हैं- अर्थात उनके हितों की रक्षा में ज्यादा रुचि लेते हैं, जिन्होंने उन्हें इस पद पर बिठाया है। यहां यह भी कहा जाना चाहिए कि राज्यपाल तब तक ही अपने पद पर बना रह सकता है जब तक राष्ट्रपति अर्थात केंद्र सरकार की अनुकंपा उस पर बनी रहे। यह अनुकंपा बनी रहे, यह भी एक कारण हो सकता है राज्यपालों के विवादास्पद निर्णयों का। इन विवादास्पद निर्णयों की शुरुआत बहुत पहले से हो गयी थी—सत्ता में चाहे कांग्रेस रही हो, भाजपा या कोई और दल, सब पर राज्यपालों से अनुचित काम करवाने के आरोप लगते रहे हैं। जब भी जो भी दल विपक्ष में होता है, वह इस संदर्भ में संविधान और जनतंत्र की हत्या का आरोप भी लगाता ही है। पहला ऐसा विवाद 1959 में हुआ था, जब पंडित नेहरू के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने केरल की नम्बूदिरीपाद-सरकार को बर्खास्त किया था। ऐसा राज्यपाल की सिफारिश पर ही हो सकता है। और राज्यपालों के लिए केंद्र के इशारों पर काम करना शायद एक विवशता है। फिर 1967 में पश्चिम बंगाल में सरकार को गिराने के लिए राज्यपाल का उपयोग किया गया। इसके बाद तो जैसे इस बात की परंपरा-सी चल पड़ी। केंद्र में जिस भी पार्टी का शासन होता था, राज्यपालों पर आरोप लगते रहे हैं कि वे, उस पार्टी के इशारों पर काम करते हैं। अक्सर यह काम राज्यों में राष्ट्रपति शासन लागू करने के नाम पर होता है और आधार राज्य-विशेष संविधान के अनुरूप काम न हो पाने का लगाया जाता है। संविधान की धारा 356 के अंतर्गत राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है और अक्सर इसका उद्देश्य केंद्र में शासन करने वाली पार्टी का हित साधना होता है। जवाहरलाल नेहरू का शासन-काल एक तरह से अपवाद माना जा सकता है, पर उसके बाद तो अक्सर इस धारा की तलवार राज्यों पर लटकती-गिरती रही है। इंदिरा गांधी के शासनकाल में 39 बार अलग-अलग राज्यों में राष्ट्रपति शासन घोषित किया गया था। फिर अस्सी के दशक में लगातार राज्यपालों की मदद से काम होते रहे। और यह सिलसिला आज भी जारी है। तब भी राज्यपालों की भूमिका पर सवाल उठाए जाते थे, आज भी उठ रहे हैं। पिछले तीन-चार सालों में ही हमने अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र आदि में राज्यपालों की भूमिका को आरोपों के घेरे में घिरा देखा है। नवीनतम उदाहरण राजस्थान के राज्यपाल का है। यह जानकर हैरानी होना स्वाभाविक है कि कुछ अरसा पहले मध्य प्रदेश में राज्यपाल निर्वाचित सरकार को कह रहे थे कि वे जल्दी से जल्दी विश्वास-मत प्राप्त करें और अब राजस्थान के राज्यपाल के किये-करे का आशय यह है कि विश्वास-मत की प्रक्रिया जितनी धीमी हो, उतना अच्छा है! 'संविधान और जनतंत्र' के लिए चलाया जा रहा कांग्रेस पार्टी का अभियान भले ही राजनीतिक उद्देश्यों से चलाया जा रहा हो, पर किसी भी सांविधनिक पद पर बैठे व्यक्ति पर यदि संविधान-विरुद्ध आचरण का आरोप लगता है तो यह गंभीर चिंता की बात होनी चाहिए। समय आ गया है कि देश में इन प्रवृत्तियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई हो। राज्यपालों की नियुक्ति, उन्हें हटाने की प्रक्रिया, उनकी योग्यता-अहर्ता पर फिर से विचार किये जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल का पद न राजनीति से निवृत्त होने वालों के लिए होना चाहिए और न ही किसी की अनुकंपा का प्रसाद। यह बहुत ही महत्वपूर्ण वैधानिक पद है। इसकी गरिमा की रक्षा होनी चाहिए। यह सवाल जनतंत्र की रक्षा से जुड़ा है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

भारतीय धर्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य किसी धर्म-संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परंपरा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दंडनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के संदर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजायश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बंद हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है-कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धांत में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितान्त आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदंड से बचने के अनेक हथकंडे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ, सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं, उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न ही सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलम्बन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गई है और दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षति पूर्ति करने को कहा गया है।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चो का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

नदी प्रबंधन पर नये सिरे से करें विचार

ज्ञानेन्द्र रावत

देश में बाढ़ के कहर से जनमानस त्रस्त है। महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश आदि राज्य बाढ़ की चपेट में हैं। वहां जनजीवन अस्त-व्यस्त है। नदियां रौद्र रूप में हैं। उनका जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। कहीं तटबंध टूट गए हैं। कहीं पहाड़ी इलाकों में नीचे बने पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है। सड़कें धंस गई हैं। सड़क परिवहन बुरी तरह प्रभावित है। उत्तराखण्ड में भूस्खलन ने जहां रास्ते अवरुद्ध कर दिये हैं, वहीं हजारों गांवों का दुनिया से संपर्क टूट गया है। हजारों-लाखों हेक्टेयर फसल बर्बाद हो चुकी है। लोग जान जोखिम में डाल छोटे-छोटे बच्चों के साथ, आश्रय की तलाश को मजबूर हैं। नेपाल से सटे उत्तरी बिहार के जिले बाढ़ के कहर से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। यहां की सभी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कोसी, गंडक, बागमती के कहर से सैकड़ों गांव डूब गए हैं। गोपालगंज, सुपौल और सहरसा में तबाही का आलम है। कर्मनाशा की बाढ़ ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। बागमती की बाढ़ ने तटबंध बहा दिए हैं। भागलपुर के 200 और गोपालगंज के 35 गांव पानी में डूबे हैं। सूत्रों के अनुसार बिहार के 12 से ज्यादा जिलों में बाढ़ से तकरीबन 25 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। असम की ब्रह्मपुत्र सहित 13 नदियों के बढ़ते जलस्तर ने भयावह स्थिति पैदा कर दी है। बाढ़ ने असम के सोनितपुर सहित 24 जिलों में तबाही मचाई है। तकरीबन 34 लाख लोग बाढ़ के शिकार हैं। लाखों खुले आसमान के नीचे सड़कों पर अपने बाल-बच्चों के साथ रहने को मजबूर हैं। डिब्रूगढ़, गुवाहाटी, वीरभूमि बाढ़ की चपेट में हैं। दरांग में बाढ़ से हालात बेहद गंभीर हैं। तेलंगाना, छत्तीसगढ़ भी बाढ़ के प्रकोप से अछूते नहीं है। देश की औद्योगिक राजधानी मुंबई सहित कई शहर, उनकी सड़कें पानी से लबालब हैं। बिहार में बीमार जब अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचते हैं तो अस्पताल पानी से भरे मिल रहे हैं। वहां डाक्टर नदारद हैं। बाढ़ ऐसी आपदा है, जिसमें हर साल करोड़ों का नुकसान ही नहीं होता बल्कि हजारों-लाखों घर, लहलहाती खेती बर्बाद होती है और अनगिनत मवेशियों के साथ हजारों इनसानी जिंदगियां पल भर में मौत के मुंह में चली जाती हैं। देश में पिछले कुछ वर्षों से बाढ़ से होने वाली तबाही बढ़ती जा रही है। लेकिन मुख्य समस्या गंगा के उत्तरी किनारे वाले क्षेत्र में है। गंगा बेसिन के इलाके में गंगा के अलावा यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी, सोन और महानंदा आदि प्रमुख नदियां हैं जो मुख्यत: उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार सहित मध्य एवं दक्षिणी बगांल में फैली हैं। इनके किनारे घनी आबादी वाले शहर बसे हैं। इस पूरे इलाके की आबादी 40 करोड़ से ऊपर है। उसके 'बाढ़ पथ' पर रिहायशी कालोनियों का बिछता जा रहा जाल सबूत है कि सरकारें कितनी संवेदनहीन हैं। आंकड़ों के अनुसार 1951 में देश में एक करोड़ हेक्टेयर बाढ़ग्रस्त क्षेत्र था, जो बढ़कर आज तकरीबन सात करोड़ हेक्टेयर से अधिक है। कुछेक दशक पहले जो इलाके बाढ़ से अछूते थे, आज वहां बाढ़ का तांडव दिखाई दे रहा है। राजस्थान इसका जीवंत प्रमाण है। गंगा, यमुना और अन्य नदियों का अधिकांश पानी मैदानी क्षेत्रों में खेतों की सिंचाई की खातिर नहरों के जरिये निकाला जाता रहा है। इससे नदियों में न के बराबर पानी रहने से वे गाद को समुद्र तक बहा ले जाने में नाकाम रहती हैं। हमारे यहां चाहे बड़ा शहर हो या छोटा, उसके निर्माण के समय बनी योजना में नदी-नालों के पानी की निकासी के बारे में सोचा ही नहीं गया, उसकी व्यवस्था की बात तो दीगर है। देश में हर साल बारिश से पहले नगर निकायों द्वारा नालों में जमी गंदगी की सफाई के दावे तो किये जाते हैं, लेकिन उस पर अमल होता नहीं है। नतीजतन जरा सी बारिश होने पर देश की राजधानी सहित अधिकांश शहरों में बाढ़ जैसे हालात हो जाते हैं। जबकि हमारे यहां बाढ़ नियंत्रण विभाग, आपदा विभाग, जल-कल विभाग, सफाई विभाग आदि पूरा का पूरा तंत्र मौजूद है। हमारे यहां नदी प्रबंधन के नाम पर बांधों, बैराजों, पुश्तों का निर्माण और सिंचाई हेतु नहरें निकालने का काम तीव्र गति से हुआ है। इसमें चीन, पाकिस्तान आदि देशों के मुकाबले भारत शीर्ष पर है। हर साल बाढ़ की प्रकृति में बढ़ोतरी ढांचागत विकास में जल निकासी की अनदेखी का नतीजा है। इसमें जल संरक्षण में महती भूमिका निबाहने वाले परंपरागत जलस्रोतों की अनदेखी, नदियों में गाद की समस्या का समाधान करने में नाकामी और वनविहीन हो चुके नदियों के जलागम को वनाच्छादित करने में सरकार की विफलता जगजाहिर है। जरूरी है मौसम के बदलाव के मद्देनजर नदियों की प्रकृति का सूक्ष्म रूप से अध्ययन कर नदी प्रबधंन की व्यवस्था की जाये क्योंकि बाढ़ मानवजनित कारणों से उपजी समस्या है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वित्तवर्ष 2018-19 के लिए आयकर रिटर्न भरने की अंतिम तारीख बढ़ी, अब 30 सितंबर तक भर सकते हैं ITR

नई दिल्ली। सरकार ने वित्तवर्ष 2018-19 के लिए आयकर रिटर्न भरने की अंतिम तारीख दो महीने और यानी 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। आयकर विभाग ने ट्वीट के जरिये कहा कि कोरोना वायरस की महामारी के मद्देनजर आयकर दाताओं को और राहत देते हुए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने वित्तवर्ष 2018-19 (आकलन वर्ष 2019-20) के लिए आय कर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2020 से बढ़ाकर 30 सितंबर 2020 कर दी है। उल्लेखनीय है कि वित्तवर्ष 2018-19 का मूल अथवा संशोधित आयकर रिटर्न भरने की तारीख तीसरी बार बढ़ाई गई है। मार्च में इस तारीख को 31 मार्च से 30 जून तक बढ़ा दिया गया था। बाद में जून में इसे फिर से एक महीने के लिए 31 जुलाई तक बढ़ा दिया गया था। अब एक बार फिर तारीख बढ़ाई गई है। यदि कोई व्यक्ति निर्धारित समय सीमा (यानी, 30 सितंबर, 2020) तक, आईटीआर दायर नहीं कर पाता है तो वह वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएगा। **CBDT** ने कहा है कि व्यक्ति इस समय सीमा के भीतर **FY**2018-19 के लिए एक संशोधित **ITR** भी दाखिल कर सकता है।

अप्रैल-जून तिमाही में आर्सेलर मित्तल को 55.9 करोड़ डॉलर का घाटा

नई दिल्ली। इस्पात क्षेत्र की वैश्विक कंपनी आर्सेलरमित्तल को 30 जून को समाप्त दूसरी तिमाही में 55.9 करोड़ डॉलर का शुद्ध घाटा हुआ है। कोविड-19 महामारी के बीच कंपनी को यह नुकसान उठाना पड़ा है। कंपनी ने दूसरी तिमाही को अपने इतिहास का सबसे खराब समय करार दिया है। दुनिया की सबसे बड़ी इस्पात कंपनी को इससे पिछले साल की समान तिमाही में 44.7 करोड़ डॉलर का शुद्ध घाटा हुआ था। लक्जमबर्ग मुख्यालय वाली एकीकृत इस्पात एवं खनन कंपनी का वित्त वर्ष जनवरी-दिसंबर होता है। कंपनी ने बयान में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी बिक्री घटकर 11 अरब डॉलर रह गई, जो इससे पिछले साल की समान तिमाही में 19.3 अरब डॉलर थी। कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी इस्पात की कुल आपूर्ति 23.7 प्रतिशत घटकर 1.48 करोड़ टन रही। कंपनी ने कहा कि सभी क्षेत्रों में कोविड-19 महामारी की वजह से इस्पात की मांग बुरी तरह प्रभावित हुई है।

एयरटेल को 15,933 करोड़ रुपए का नुकसान, 456 प्रतिशत बढ़ा घाटा

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवायें प्रदान करने वाली देश की प्रमुख निजी कंपनी भारती एयरटेल को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 15933 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में उसे 2866 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी ने आज निदेशक मंडल की बैठक के बाद यहां जारी वित्तीय लेखा जोखा में कहा कि जून 2020 में समाप्त इस तिमाही में उसे 15933करोड़ रुपये का घाटा हुआ है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह राशि 2866 करोड़ रुपये रही थी। इस तरह उसका घाटा 456 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि कंपनी को इस तिमाही में कुल राजस्व 23939 करोड़ रुपये रहा जो जून 2019 में समाप्त तिमाही में उसके कुल 20736 करोड रुपये के राजस्व की तुलना में 15.4 प्रतिशत अधिक है। जून 2020 में कंपनी के देश में ग्राहकों की संख्या1.3 प्रतिशत घटकर 30.56 करोड़ पर आ गयी जबकि जून 2019 में यह संख्या 30.97 करोड़ रही थी।

ग्राहकों को नहीं लुभा पा रही रही सोने की चमक, 70 प्रतिशत घटी मांग

बिजनेस डेस्क। भारत में अप्रैल-जून की तिमाही में सोने की मांग 70 प्रतिशत घटकर 63.7 टन रह गई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 की वजह से देश में लागू लॉकडाउन के चलते सोने की मांग में गिरावट आई है। इससे पिछले साल यानी 2019 की दूसरी तिमाही में भारत में सोने की मांग 213.2 टन रही थी। डब्ल्यूजीसी की 'दूसरी तिमाही में सोने की मांग के रुख पर रिपोर्ट' में कहा गया है कि मूल्य के हिसाब से दूसरी तिमाही में भारत में सोने की मांग 57 प्रतिशत घटकर 26,600 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले साल की समान तिमाही में 62,420 करोड़ रुपये थी। दूसरी तिमाही में आभूषणों की मांग 74 प्रतिशत घटकर 168.6 टन से 44 टन पर आ गई। मूल्य के हिसाब से आभूषणों की मांग 63 प्रतिशत घटकर 18,350 करोड़ रुपये रह गई, जो 2019 की समान अवधि में 49,380 करोड़ रुपये थी। इसी तरह निवेश के लिए सोने की मांग 56 प्रतिशत घटकर 19.8 टन रह गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 44.5 टन थी। मूल्य के हिसाब से सोने की निवेश मांग 37 प्रतिशत घटकर 8,250 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले साल की समान तिमाही में 13,040 करोड़ रुपये थी। इस अवधि में देश में सोने की रीसाइक्लिंग (पुनर्चक्रीकरण) भी 64 प्रतिशत घटकर 13.8 टन रह गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 37.9 टन थी। इसी तरह दूसरी तिमाही में देश में सोने का आयात 95 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 11.6 टन रह गया, जो 2019 की समान अवधि में 247.4 टन रहा था। डब्ल्यूजीसी के प्रबंध निदेशक, भारत सोमसुंदरम पीआर ने कहा कि दूसरी तिमाही में जहां सोने के दाम ऊंचाई पर थे, वहीं इस दौरान देश में महामारी की वजह से लॉकडाउन भी था। इन कारणों से देश में सोने की मांग 70 प्रतिशत घटकर 63.7 टन रह गई। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर पहली छमाही में देश में सोने की मांग 56 प्रतिशत घटकर 165.6 टन रही है।

पीएनबी बैंक को मिली बड़ी जीत, UK कोर्ट ने 165 करोड़ मामले में बैंक के हक में सुनाया फैसला

लंदन।

पंजाब नेशनल बैंक की ब्रिटेन की अनुषंगी पंजाब नेशनल बैंक इंटरनेशनल लि.(पीएनबीआईएल) ने ब्रिटेन के उच्च न्यायालय में 2.2 करोड़ डॉलर के बकाया कर्ज वसूली मामले में बड़ी जीत हासिल की है। अदालत ने बैंक के पक्ष में हर्जाने का आदेश दिया है। यह निर्णय ऐसे अन्य मामलों में उद्धरित किया जा सकता है जिनमें भारतीय बैंक देनदारी पूरी करने में विफल कर्जदार प्रवर्तकों या गारंटी देने वालों के खिलाफ ब्रिटेन की अदालतों में मामले प्रस्तुत किए हैं।

हालांकि कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि इस मामले और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) की अगुवाई वाले 13 भारतीय बैंकों के समूह द्वारा बंद पड़ी किंगफिशर एयरलाइन के बकाया कर्ज को लेकर शराब कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ चलाये जा रहे मामले में कोई सीधा संबंध नहीं है। पीएनबीआई का यह मामला 2012 और 2013 का है जब उसने क्रूज लाइन एमवी डेलफिन की खरीद को लेकर कर्ज दिया था। इसको खरीदने वाला विशाल क्रूज लि. था। ऐसा कहा जाता है कि इसे सुपेरियर ड्रिंक्स प्राइवेट लि. के चेयरमैन और भारत में कोका-कोला के विनिर्माता प्रदीप अग्रवाल की गारंटी के जरिये समर्थन प्राप्त थी। यह भी कहा जाता है कि सुोरियर इंडस्ट्रीज लि. (एसआईएल) अग्रवाल से संबद्ध थी।

PNB के लिये बड़ी जीत

लंदन में उच्च न्यायालय की वाणिज्यिक पीठ में दो दिन की सुनवाई पिछले महीने हुई। कोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण मामले में डिजिटल तरीके से सुनवाई हुई। न्यायाधीश सारा कोकेरिल ने अपने आदेश में कहा कि मामला ब्रिटेन से संबद्ध है और बैंक को अंतरिम भुगतान के तौर पर 70,000 ब्रिटिश पौंड देने का आदेश दिया। विधि कंपनी टीएलटी एलएलपी के भागीदार पॉल गेयर ने कहा, 'यह पीएनबीआईएल के लिये बड़ी जीत है। इसका मतलब है कि वह ब्रिटेन की अदालतों में प्रतिवादियों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई के लिये कदम बढ़ा सकती है।' संयोग से यही विधि कंपनी 13 भारतीय बैंकों को माल्या से 1.05 अरब पौंड के अनुमानित कर्ज की वसूली मामले में सलाह दे रही है।

यह एक ऐतिहासिक निर्णय है

उन्होंने कहा यह इसी प्रकार के अन्य मामलों के लिये भी ऐतिहासिक निर्णय है...कई ऐसे मामले हैं जहां भारतीय बैंक ब्रिटेन की अदालतों में जानबूझकर कर्ज नहीं लौटाने वाले उन लोगों के खिलाफ सफलतापूर्वक कदम उठा रहे हैं जो यहां या तो रह रहे हैं या फिर उनकी संपत्ति है...। जब कर्जदाताओं ने कर्ज नहीं लौटाया, पीएनबी ने कार्यवाही शुरू की। प्रतिवादियों ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने विभिन्न गारंटी दी, लेकिन उनकी दलील थी कि रिण की आदयगी ब्रिटेन से की जाएगी इसकी कोई अनुमति होने का सबूत नहीं है।इसके लिये उन्होंने कई तर्क दिए जिन पर न्यायाधीश ने विचार किया और तब फैसला दिया। अग्रवाल और एसआईएल ने इस माह की शुरूआत में ब्रिटेन की अपीलीय अदालत में आवेदन देकर न्यायाधीश कोकेरिल की व्यवस्था के खिलाफ अपील दायर करने की मंजूरी मांगी है।

अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप ने नहीं चुकाया यस बैंक का कर्ज, बैंक ने ग्रुप के मुंबई मुख्यालय पर किया कब्जा

नई दिल्ली। यस बैंक लिमिटेड ने मुंबई में अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप **(ADAG)** के मुख्यालय भवन, रिलायंस सेंटर को अपने कब्जे में ले लिया है। बुधवार को फाइनेंशियल एक्सप्रेस में प्रकाशित एक विज्ञापन में बैंक ने बताया किया कि उसने सांताक्रूज़ (मुंबई) में 21,000 वर्ग फुट से अधिक मुख्यालय की इमारत और दक्षिण मुंबई में नागिन महल में दो मंजिलों पर कब्जा कर लिया है, जो कि उसका तत्कालीन मुख्यालय था। भवन का कब्जा 22 जुलाई को सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट **(SARFESI)** के तहत हुआ। यस बैंक ने कब्जे का कदम तब उठाया है जब अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप बैंक का 2,892 करोड़ का बकाया चुकाने में विफल रहा है। इस साल मार्च में अंबानी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों से कहा था कि यस बैंक के लिए एडीएजी का पूरा जोखिम पूरी तरह से सुरक्षित है और कानून और वित्तीय नियमों के अनुपालन में है। उन्होंने यह भी कहा कि समूह का न तो राणा कपूर, उनकी पत्नी और उनकी बेटियों से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क है और न ही यह उनके द्वारा नियंत्रित किसी भी संस्था के संपर्क में है।

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जवाबदेही बढेगी, रोजगार की स्थित में होगा सुधार: उद्योग जगत

नई दिल्ली

उद्योग जगत के शीर्ष कार्यकारियों का कहना है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी प्राप्त नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति से कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा, शिक्षा को बेहतर बनाने के लिये ठोस डिजिटल संरचना तैयार होगी और जवावदेही व रोजगार प्राप्ति में सुधार होगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मंजूरी दी। इसके तहत उच्च शिक्षा संस्थानों के लिये एकल नियामक, डिग्री पाठ्यक्रमों में बीच में शामिल होने व छोड़ने का विकल्प, एमफिल को समाप्त करने आदि समेत कई सुधार किये गये हैं। इससे पहले 1986 में बनी शिक्षा नीति में आखिरी बार 1992 में संशोधन किया गया था।

एक सकारात्मक कदम है

एनआईआईटी लिमिटेड के चेयरमैन एवं सह-संस्थापक तथा एनआईआईटी यूनिवर्सिटी के संस्थापक राजेंद्र एस पवार ने कहा भारत की बहुप्रतीक्षित नयी शिक्षा नीति (एनईपी), दिशात्मक परिवर्तन और क्षेत्रीय सुधारों की एक अग्रदूत है। इससे 21वीं सदी में भारत के शिक्षा क्षेत्र में नये आयामों के खुलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का छह प्रतिशत खर्च करने का इरादा निर्णायक बदलाव लायेगा। टीमलीज सर्विसेज की वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीति शर्मा ने कहा कि यह भारत में सीखने को बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। यह पारिस्थितिकी तंत्र में समग्र जवाबदेही में सुधार करेगा।

मातृभाषा या स्थानीय भाषा में शिक्षा

अपग्रैड के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं सह-संस्थापक मयंक कुमार ने कहा मुझे उम्मीद है कि यह ऑनलाइन शिक्षा के लिये एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जैसा कि अभी 'शिक्षा' और 'ऑनलाइन शिक्षा' समानार्थी हो गये हैं। स्किल मॉन्क्स के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रामेश्वर मंडली ने कहा कि नयी नीति वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनने के भारत के दृष्टिकोण को एक गति प्रदान करेगी। एजुकेशनल इनिशिएटिव्स के सह-संस्थापक एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी श्रीधर राजगोपालन ने कहा कि कम से कम 5 वीं कक्षा तक मातृभाषा या स्थानीय भाषा में शिक्षा प्रदान करने के दृष्टिकोण के बहुत सारे लाभ हैं। उन्होंने कहा शैक्षणिक अनुसंधान ने यह स्थापित किया है कि बच्चे प्राथमिक कक्षाओं में अपनी मातृभाषा (या स्थानीय भाषा) में सीखते हैं तो सबसे अच्छा सीखते हैं।

शिक्षा क्षमताओं के निर्माण की कुंजी

स्कूलगुरु एडुसर्व के संस्थापक एवं सीईओ शांतनु रूज ने कहा कि एनईपी ने एक ठोस डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया है जो शिक्षा को व्यापक बनाने और जवाबदेही में सुधार करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा परीक्षा प्रणाली में परिवर्तन के साथ-साथ सीखने के परिणाम पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। जे सागर एसोसिएट्स के पार्टनर नितिन पोद्दार ने कहा कि नया नियम देश की 'मानव पूंजी' का उपयोग करने में मदद करेगा। साएंट के कार्यकारी अध्यक्ष बी वी आर मोहन रेड्डी ने कहा कि ज्ञान-चालित और नवाचार से प्रेरित विश्व व्यवस्था में सफलता बहुत हद तक लोगों की क्षमताओं पर निर्भर करता है, और शिक्षा (स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों) अपेक्षित क्षमताओं के निर्माण की कुंजी है।

कस्टम विभाग ने अगरबत्ती स्मगलिंग का भंडाफोड़ किया, FTA का उठाते थे गलत

चेन्नई।

कस्टम विभाग ने बुधवार को अगरबत्ती की स्मगलिंग का भंडाफोड़ किया। विभाग ने भरत एच शाह और उनके बेटे श्रीरोनिक शाह को चेन्नई से गिरफ्तार किया है। इस दौरान कस्टम विभाग ने 161.94 मिट्रिक टन अगरबत्ती और 68.36 मिट्रिक टन अगरबत्ती बनाने वाला पाउडर अपने कब्जे में लिया है। इन सामानों को वियतनाम से आयात किए कंटेनर्स से जब्त किया गया, इनके उपर **M/s.** इंडियन अगरबत्ती मैन्युफैक्चरर्स' अंकित था। आयातकों ने कस्टम विभाग को बताया कि इन कंटेनर्स में जॉस पाउडर और अगरबत्ती बनाने के लिए प्रीमिक्स पाउडर है।

फ्री ट्रेड अग्रीमेंट का उठाया फायदा

गौर हो कि जॉस पाउडर पर 15 फीसदी कस्टम ड्यूटी लगती है, लेकिन **ASEAN** देशों के साथ फ्री ट्रेड अग्रीमेंट होने के कारण कोई चार्ज नहीं लगता। वियतनाम भी **ASEAN** देशों का हिस्सा है, ऐसे में यहां से जॉस पाउडर आयात करने पर कोई कस्टम ड्यूटी नहीं पड़ती। इस तरह से आयातक **FTA** का अनुचित लाभ उठाते थे। इन सामानों की मदद से वह अगरबत्ती का आयात करते थे। बीते साल अगस्त से अगरबत्ती को प्रतिवंधित कैटेगरी में रखा गया है। लाइसेंस लिए बिना कोई इन्हें आयात नहीं कर सकता।

कस्टम विभाग की दबिश

कस्टम विभाग को भी बीते कई दिनों से वियतनाम से गलत तरीके से अगरबत्ती की स्मगलिंग की खबरें मिल रही थी। इसके बाद कस्टम विभाग ने आयातक को पकड़ने के लिए एनलिटिक्स की मदद ली। चेन्नई बंदरगाह पर इस आयातक के 6 कंटेनर्स पर कड़ी नजर रखी गई थी। पूछताछ करने पर बताया गया कि इन कंटेनर्स में जॉस पाउडर और अगरबत्ती बनाने के लिए प्रीमिक्स पाउडर है, लेकिन जांच करने के बाद पता चला कि इसमें बड़ी मात्रा में अगरबत्ती और अगरबत्ती पाउडर रखा गया है। इसे बड़ी चालाकी से सामानों के बीच छुपा कर रखा गया था। इस खुलासे के बाद कस्टम विभाग हरकत में आया और बेंगलुरू स्थित इनके आवास और दफ्तर में दबिश दी गई। जांच करने पर पता लगा कि उन्होंने 2 और कंटेनर्स मगाएं है, जोकि पाइपलाइन में है। इन दो कंटेनर्स की चेन्नई पोर्ट पर जांच करने पर पाया गया कि इनमें भी अगरबत्ती है।

एचडीएफसी लि. का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 4,059 करोड़ रुपए

नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी आवास ऋण कंपनी एचडीएफसी लि. का चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 4,059 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 3,540 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय 29 प्रतिशत बढ़कर 29,959 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 23,240 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने कहा कि पहली तिमाही के दौरान कोविड-19 की वजह से ज्यादातर समय लॉकडाउन रहा। इस वजह से तिमाही के नतीजों की तुलना पिछले साल के नतीजों से सीधे नहीं की जा सकती। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रव्यापी पाबंदी की वजह से तिमाही के दौरान खुदरा कारोबार प्रभावित हुआ।

कोरोना की मार! इस बैंक ने की अपने कर्मचारियों की छंटनी, लिस्ट हुई फाइनल

नई दिल्ली।

कोरोना महामारी के कारण कई लोगों की अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। इस कड़ी में कई बड़ी कंपनियों ने अपने **Employees** की छंटनी की है। अब इसी कड़ी में स्टैण्डर्ड चार्टर्ड पीएलसी दुनिया भर कर के अपने कार्यालयों में छंटनी करने की तैयारी में है। खबरों की माने तो लंदन स्थित इस बैंक ने सैकड़ो कर्मचारियों की लिस्ट तैयार कर ली है जिनकी छटनी कभी भी की जा सकती ह। दुनियाभर के बैंक में करीब 85,000 कर्मचारी है। कंपनी लंदन, न्यूयार्क और सिंगापुर सहित कई लोकेशनों में कटौती करने वाली है। वहीं वेतन कटौती योजना पर भी काम चल रहा है।

छंटनी का कोरोना महामारी से कोई लेना देना नही

बैंक की ओर से जारी हुए बयान में कहा गया हैकि बैंक के ट्रांसफार्मेशन और प्रतिस्पर्धा में टिके रहने के लिए थोड़ी बहुत छंटनी की जा रही है। **LiveMint** की रिपोर्ट की मानें तो बैंक प्रबंधन ने साफ किया हैकि इस छंटनी का कोरोना महामारी के प्रभाव से कोई लेना देना नही है।

छंटनी वाले employees को 2020 तक मिलेगा वेतन

बैंक ने साफ किया कि जिनकी छंटनी की जाएगी उनको **severance payment** (विच्छेद वेतन) के अलावा 2020 के अंत तक का वेतन मिलेगा। इससे पहले बैंक ने कर्मचारियों की छंटनी होल्ड पर रखते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते कोई कटोती नही की जाएगी। वहीं बैंक पर निवेशकों की तरफ से लागत घटाने का दबाव है जिससे इसकी शेयर कीमतों में बढ़ोत्तरी हो सके।

डाबर का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 6 प्रतिशत घटकर 341 करोड़ रुपये

नई दिल्ली।

घरेलू एफएमसीजी कंपनी डाबर इंडिया लि. का चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 6.18 प्रतिशत घटकर 341.30 करोड़ रुपये रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 363.81 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 12.90 प्रतिशत घटकर 1,979.98 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2,273.29 करोड़ रुपये थी। डाबर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहित मल्होत्रा ने कहा, 'हमने मजबूती वाली स्थिति से इस संकट में कदम रखा। जब कोविड-19 की वजह से कारोबार गतिविधियां ठहर गई उससे पहले हम ठीकठाक गति से आगे बढ़ रहे थे।

इस चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल के बीच हमने तेजी से अपने पोर्टफोलियो का पुनर्गठन किया जिससे उपभोक्ताओं की गुणवत्ता की जरूरत को पूरा किया जा सके। डाबर का उत्पादन अब सामान्य स्तर पर पहुंच गया है। अब साल के शेष महीनों में वृद्धि दर्ज की स्थिति दिखाई देती है।'डाबर ने कहा कि आलोच्य तिमाही के दौरान कंपनी ने रिकार्ड संख्या में नये उत्पाद बाजार में उतारे जो कि ग्राहकों की स्वास्थ्य, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और स्वच्छता की जरूरतों को पूरा करते हैं। ''तिमाही के दौरान हमारे नये उत्पादों की 100 करोड़ रुपय से अधिक की रिकार्ड बिक्री देखने को मिली।

भारत उड़ानों की टिकट बुक करते समय लोग तय से ज्यादा किराया ना दें : सरकार

नई दिल्ली: नागर विमानन मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि वंदे भारत मिशन के तहत संचालित हो रही अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में ट्रैवल एजेंट की मदद से टिकट बुक कराते वक्त कोई भी व्यक्ति एअर इंडिया की वेबसाइट पर दिए गए तय किराये से ज्यादा राशि का भुगतान न करे। कोरोना वायरस महामारी के कारण 23 मार्च से ही भारत में निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद हैं। लेकिन, विदेशों में फंसे लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वंदे भारत मिशन के तहत एयर इंडिया छह मई से ही चार्टर्ड अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित कर रहा है। इस मिशन के तहत कुछ निजी कंपनियों के विमानों ने भी उड़ानें भरी हैं। मंत्रालय ने ट्वीट किया है, ''वंदे भारत मिशन की उड़ानों पर ट्रैवल एजेंट के माध्यम से टिकट बुक रहे लोग, कृपया ध्यान दें, वे एयर इंडिया की वेबसाइट पर लिखे किराए से ज्यादा राशि का भुगतान ना करें। जिन यात्रियों को ट्रैवल एजेंट द्वारा ज्यादा राशि वसूले जाने की दिक्कत से दो-चार होना पड़ रहा है वे जीएमएसएम एट द रेट एयरइंडिया डॉट इन पर लिख सकते हैं।' भारत ने अमेरिका, जर्मनी और फ्रांस के साथ 16 जुलाई को द्विपक्षीय 'एयर बबल' बनाया था जिसके तहत इन देशों के विमान सीधे भारत के शहरों से परिचालन कर सकेंगे और एयर इंडिया को भी यही सुविधा मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इटली लीग : कैग्लियारी ने जुवेंतस को हराया, मिलान ने सम्पडोरिया को दी मात

रोम । इटली लीग की मौजूदा चैंपियन जुवेंतस को सेरी-ए लीग में कैग्लियारी के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, एक अन्य मैच में एसी मिलान ने अपना अजेयक्रम जारी रखते हुए सम्पडोरिया को 4-0 से करारी शिकस्त दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को ही अपना लगातार नौवां सेरी-ए लीग खिताब जीतने के बाद जुवेंतस के कोच मॉरिजियो सारी इस मैच में कई बदलाव के साथ उतरे थे। कैग्लियारी ने मैच में आक्रामक शुरूआत की और आठवें मिनट में ही लुका गागलियानो के गोल की मदद से 1-0 से की बढ़त बना ली। इसके बाद जियोवन्नी शिमोन ने हाफ टाइम से पहले इंजुरी टाइम में गोल कर कैग्लियारी को 2-0 से आगे कर दिया और यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। एक अन्य मैच में एसी मिलान ने सम्पडोरिया को करारी मात दी। मिलान के लिए ज्लाटन इब्राहिमोविक ने चौथे और 58वें मिनट में, हकान काल्हागोग्लु ने 52वें और राफेल लिएगो ने इंजुरी टाइम में गोल किए। वहीं, सम्पडोरिया की ओर से क्रिस्टोफर एसकिदसेन ने 87वें मिनट में गोल किया।

आईपीएल-13 : जिस दिन मैच नहीं उस दिन वर्चुअल गेमिंग होगी

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 13वां सीजन यूएई में खेला जाना तय है, ऐसे में फेंचाइजियां इस बात पर ध्यान दे रही हैं कि जिस दिन मैच नहीं होगा उस दिन खिलाड़ी क्या करेंगे। इसका एक मात्र कारण है कि कोविड-19 के कारण मौजूदा स्थिति को देखते हुए खिलाड़ी होटल के बाहर नहीं जा सकेंगे जैसा कि वह पहले के सीजनों में किया करते थे। वहीं बीसीसीआई ने अभी तक टीमों को परिवार साथ ले जाने के संबंध में मंजूरी नहीं दी है। एक फेंचाइजी के अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि जिस दिन मैच नहीं होगा उस दिन खिलाड़ी क्या करेंगे यह उनके एजेंडा में है क्योंकि इस माहौल में वह टीम होटल से बाहर नहीं जा सकें गे। उन्होंने कहा, यह निश्चित तौर पर चर्चा का विषय है बल्कि मैं तो यह कहूंगा कि यह इस साल सबसे बड़ी चुनौती है। जब आपको पता है कि खिलाड़ी दो महीने तक कमरें में रहेंगे तो आपको उन्हें विकल्प मुहैया कराने होते हैं। एक्सबॉक्स और गेमिंग की सुविधाएं हावी रहेंगी। इस बात से हैरान नहीं होना अगर खिलाड़ी दो महीने में आईपीएल से ज्यादा फीफा खेलें। अधिकारी ने कहा, साथ ही, फुसबाल ऐसा गेम है जो खिलाड़ियों में काफी प्रचलित है, इसके अलावा पूल और टेबल टेनिस भी। आप सिर्फ खिलाड़ियों को बता नहीं सकते कि वह होटल से बाहर नहीं जा सकते। आपको एक ऐसा माहौल तैयार करना होगा कि जिस दिन मैच न हो उस दिन खिलाड़ी टीम रूम में आने को लेकर उत्साहित हों। इस बात को मानते हुए एक और फेंचाइजी के अधिकारी ने कहा, आप नेटफिलिक्स पर फिल्म देख सकते हैं अच्छी बात है। यह आप अपने कमरे में भी कर सकते हैं। हमें खिलाड़ियों को व्यस्त रखने के लिए कुछ अलग सोचना होगा। यह हमारे लिए निश्चित तौर पर चुनौती होगा, खासकर तब जब खिलाड़ियों के परिवार साथ नहीं होंगे। इसके बारे में हमें अगले कुछ दिनों में बीसीसीआई से जानकारी मिल जाएगी। आईपीएल गर्विनंग काउंसिल की बैठक के बाद हमारी उनसे इस मामले पर बैठक होनी हैं। ऐसी खबरें हैं कि फेंचाइजियों ने बीसीसीआई से खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के परिवारों को ले जाने की अपील की है। फेंचाइजियों ने हालांकि कहा है कि परिवार एक साथ न जाकर टुकड़ों में जाएं। उन्होंने कहा, यूएई में सबसे अच्छी बात यह है कि अगर आपकी कोविड-19 रिपोर्ट निगेटिव आती है तो आपको क्वारंटीन में जाने की जरूरत नहीं है। इसलिए कुछ फेंचाइजियों ने अपील की है कि खिलाड़ियों की पत्नी या प्रेमिकाओं को कुछ समय के लिए वहां जाने की मंजूरी दी जाए। वह दो महीने की मंजूरी नहीं मांग रही हैं, बस 10-12 दिन की मांग रही हैं क्योंकि यह मुश्किल समय है और अगर आपके पास कोई अपना होता है तो इससे बेहत कुछ नहीं होता। उम्मीद है कि रविवार को होने वाली आईपीएल जीसी की बैठक में इस पर फैसला होगा।

आर्थिक मुश्किल में फंसे वुशू चैम्पियन को रिजिजू से मिली मदद

नई दिल्ली।

कोविड-19 के चलेत आर्थिक तंगी के कारण परिवार चलाने के लिए मजदूरी करने को विवश हरियाणा की राष्ट्रीय वुशू चैम्पियन शिक्षा को केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू से पांच लाख रुपये की मदद मिली है। 22 साल की शिक्षा ने राज्य स्तर पर वुशू चैम्पियनशिप में कुल 24 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। उन्हें यह मदद पंडित दिनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय फंड से दी गई है। स्पोट्र्स साइंस में बीएससी कर रहीं शिक्षा ने अपने रोहतक स्थित घर से बात करते हुए कहा कि वह खेल मंत्री की आभारी हैं और उम्मीद करती हैं कि वह जल्दी से जल्दी ट्रेनिंग पर लौटेंगी। उन्होंने कहा, मेरे पास खेल मंत्री द्वारा की गई मदद और इस मुश्किल समय में पांच लाख रुपये भेजने के लिए कोई शब्द नहीं है। मैं जल्दी से जल्दी ट्रेनिंग पर लौटूंगी। मैं आप सभी से वादा करती हूं कि मैं अपने देश के लिए स्वर्ण पदक जीतूंगी। उन्होंने कहा, मेरा सपना अपने देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने का है और मेरे माता-पिता ने मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए काफी कुछ किया है। दुर्भाग्यवश इस महामारी ने चीजों को रोक दिया था और मेरी ट्रेनिंग रुक गई थी इसलिए मुझे अपने माता-पिता की मदद करने के लिए मजदूरी करनी पड़ी। एक बार जब यह सब खत्म हो जाए तो मैं दोबारा ट्रेनिंग पर लौटूंगी क्योंकि मेरा एक मात्र लक्ष्य अपने देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना है।

पोंटिंग से बेहतर कप्तान हैं धोनी : अफरीदी

लाहौर ।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने महेंद्र सिंह धोनी को रिकी पोंटिंग से बेहतर कप्तान बताया है। अफरीदी ने ट्विटर पर अपने प्रशंसकों से बात करते हुए यह बात कही। प्रशंसक ने अफरीदी से पूछा, बेहतर कप्तान कौन, धोनी या पोटिंग? अफरीदी ने कहा, मैं धोनी को पोंटिंग से बेहतर मानता हूं क्योंकि उन्होंने एक नई टीम जो युवाओं से भरी थी, उसे बनाया। धोनी को क्रिकेट इतिहास के महान कप्तानों में गिना जाता है। इसी तरह पोटिग की भी सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में गिनती होती है। धोनी दुनिया के पहले कप्तान हैं जिन्होंने आईसीसी के तीनों खिताब- टी-20 विश्व कप, वनडे विश्व कप और चैम्पियंस ट्रॉफी जीती है। वहीं पोटिंग की कप्तानी में आस्ट्रेलिया ने लगातार दो वनडे विश्व कप अपने नाम किए हैं।

सचिन के पास प्रतिभा थी मगर शतक को दोहरे या तिहरे में बदलना नहीं आता था: कपिल देव

नई दिल्ली।

भारत के विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा है कि क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर शतक बनाना जानते थे लेकिन शतक को दोहरे शतक या तिहरे शतक में बदलना नहीं जानते थे। कपिल ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज और महिला टीम के मौजूदा कोच डब्ल्यू वी रमन के साथ पोडकास्ट 'इनसाइड आउट' में कहा, 'सचिन के पास अपार प्रतिभा थी जो उन्होंने किसी और में नहीं देखी। वह उस दौर में पैदा हुए थे जहां वह जानते थे कि शतक कैसे लगाना है लेकिन वह कभी निर्मम बल्लेबाज नहीं बन पाए। उन्होंने कहा, सचिन के पास क्रिकेट से जुड़ा सब कुछ था। सचिन शतक बनाना जानते थे लेकिन उस शतक को दोहरे शतक और तिहरे शतक में कैसे बदलें, यह उन्हें नहीं आता था।'

भारत के पहले विश्वकप विजेता टीम के कप्तान कपिल ने कहा, 'सचिन के पास कम से कम पांच तिहरा शतक लगाने और 10 दोहरा शतक लगाने की क्षमता थी क्योंकि वह किसी भी तरह के गेंदबाज के हर ओवर में चौका या छक्का जड़ सकते थे।' सचिन ने अपने करियर में विश्व रिकॉर्ड टेस्ट 51 शतक बनाए जिसमें 6 दोहरे शतक शामिल थे और उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 248 रन था जो उन्होंने बंगलादेश के खिलाफ दिसम्बर 2004 में बनाया था। सचिन के नाम 100 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने का विश्व रिकॉर्ड है।

संक्षिप्त समाचार

हार्दिक पांड्या बने पिता, मंगेतर नताशा ने बेटे को दिया जन्म

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के आलराउंडर हार्दिक पांड्या पिता बन गए हैं। पांड्या की गर्लफ्रेंड और सर्बियाई डांसर-अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक ने बेटे को जन्म दिया है। 26 वर्षीय हार्दिक ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बच्चे का हाथ थामे हुए फोटो पोस्ट कर लिखा, हमें बेटे के रूप में आशीर्वाद मिला है। दोनों ने इस साल मई में ही अपने घर तीसरे सदस्य के आने की खबर दी थी। हार्दिक ने कहा था कि वह और उनकी मंगेतर आने वाले अपने बच्चे को लेकर उत्साहित हैं। हार्दिक ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर कर इसकी जानकारी दी थी, जिसमें वह अपनी मंगेतर के साथ खड़े दिखाई दे रहे थे। फोटो में हार्दिक की मंगेतर गर्भवती दिखाई दे रही थी। हार्दिक ने मई में इंस्टाग्राम पर लिखा था, नताशा और मेरा सफर शानदार रहा है और अब हमारा यह सफर और भी बेहतर होने वाला है। हम जल्द ही एक नए जीवन का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। हम अपने जीवन के एक नए फेस को लेकर बहुत खुश हैं और आपकी दुआएं और आशीर्वाद चाहते हैं। इस साल की शुरुआत में हार्दिक ने घोषणा की थी कि वह और नताशा ने एक दूसरे से सगाई कर ली थी। एक जनवरी को हार्दिक ने खुद सोशल मीडिया पर नताशा के साथ एक फोटो साझा किया था, जिसमें उन्होंने कैप्शन में लिखा था, मैं तेरा, तू मेरी, जाने सारा हिंदुस्तान। 01.01.2020 सगाई।

गेम्स 24 गुणा 7 ने रमी सर्किल के लिए शुरू की नई मुहिम

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेमिंग को प्रसारित करने और इसे बढ़ाने के लिए गेम्स 24 गुणा 7 ने अपने प्लेटफॉर्म रमी सर्किल के प्रचार के लिए नई मुहिम शुरू की है। इस नई मुहिम के तहत पूरे भारत से नए खिलाड़ियों को आमंत्रित करेगी जहां वह अपनी रमी स्किल्स को दिखा सकें और खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिल सके। गेम्स 24 गुणा 7 के ब्रांड एंड मार्केटिंग स्ट्रेजी निदेशक अविक दास ने कहा, अपना गेम दिखाओ अपने आप की पहली 360 डिग्री मार्केटिंग मुहीम है। कैटेगरी लीडर होने के नाते हम पूरे भारत में अपनी रमी कैटेगरी को सभी टीवी चैनलों के माध्यम से बड़े पैमाने पर फैलाने चाहते हैं। साथ ही सभी ओटीटी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी इसे प्रसारित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, भारत में मोबाइल गेमिंग की अगुआई करने के बाद हम रमी को एक मनोरंजन करने वाले प्रतिस्पर्धी खेल के तौर पर स्थापित करना चाहते हैं। हमने पूरे देश के लोगों में इसके प्रति रूचि बढ़ती देखी है। इस मुहिम के तहत सभी टीवी चैनलों पर विज्ञापन चलाए जाएंगे। हिंदी भाषी बाजार के अलावा पश्चिम बंगाल, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब और उत्तर प्रदेश में भी विज्ञापन चलाए जाएंगे। मुहिम बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म और यूट्यूब पर भी चलाई जाएगी। अविक ने कहा, इस नई मुहिम का मकसद ऑनलाइन रमी को पूरे भारत में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है।

रोहित असाधारण बल्लेबाज, मैं उनका बहुत बड़ा फैन : फर्ग्यूसन

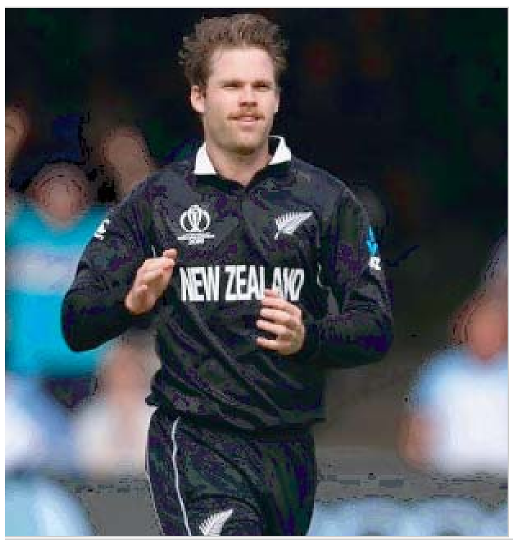

नई दिल्ली.

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने कहा है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को गेंदबाजी करना काफी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि उनके पास लाइन और लेंथ पढ़ने की बेहतरीन क्षमता है। स्पोट्र्सकीड़ा पर जब फर्ग्यूसन से पूछा गया कि किस बल्लेबाज को गेंदबाजी करना उन्हें सबसे मुश्किल लगता है, तो उन्होंने कहा, अच्छा सवाल है, ऐसे कुछ बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा मुझे बहुत चुनौतीपूर्ण लगते हैं। अगर आप उन्हें जल्द आउट नहीं करते हैं, तो वो बड़ा स्कोर बना लेते हैं। उन्होंने कहा, वह आपकी गेंद की लेंथ को बहुत जल्दी पिक करते हैं और उनकी यही ताकत है। वह विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। मैं रोहित का बड़ा प्रशंसक हूं, मुझे लगता है कि वो एक असाधारण बल्लेबाज हैं। तेज गेंदबाज ने साथ ही भारतीय कप्तान विराट कोहली, आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर को भी शानदार बल्लेबाजों की श्रेणी में रखा है। फर्ग्यूसन ने कहा, स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर, विराट कोहली-ये भी विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। उनके खिलाफ गेंदबाजी करना हमेशा कठिन होता है, लेकिन जब आप शीर्ष क्रम को आउट करते हैं तो अच्छा लगता है और आपको मध्यक्रम और निचले क्रम के खिलाफ गेंदबाजी करने का मौका मिलता है।

नए चेहरों के लिए मौके बनाएगी आयरलैंड सीरीज : मोर्गन

साउथैम्पटन । इंग्लैंड के सीमित ओवरों की टीम के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि आयरलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका देने से उन्हें भविष्य में टी 20 विश्व कप और 50 ओवर के विश्व कप को ध्यान में रखकर एक टीम बनाने में मदद मिलेगी। मोर्गन ने 2019 में अपने घर में इंग्लैंड को विश्व कप जिताया था। आयरलैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज में इंग्लैंड की युवा टीम देखने को मिलेगी। चयनकर्ताओं ने बेन स्टोक्स, जोफ्रा आर्चर और जोए रूट को आराम दिया और कुछ नए चेहरों को टीम में मौका दिया है। स्काई स्पोर्टस ने मोर्गन के हवाले से कहा, यह सीरीज शायद इस तथ्य के समान है कि हम नए खिलाड़ियों के साथ एक नई यात्रा की शुरूआत में हैं। हम एक ही जैसी योजनाओं को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अगले साल की तरह टी 20 विश्व कप और तीन साल के समय में 50 ओवर का क्रिकेट कैसा दिख सकता है, यह जानने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए हमारा मुख्य ध्यान उन सभी खिलाड़ियों में से सर्वश्रेष्ठ को शामिल करना है, जो इसके लिए चुने गए हैं। हमें उम्मीद है कि यह उन खिलाड़ियों के लिए मौके बनाएंगे, जिससे हमें एक मजबूत टीम मिले। निर्णय लेने को लेकर पिछले चार साल काफी मुश्किल रहे हैं और मुझे लगता है कि जिस किसी को भी बाहर किया गया है, वह फैसला लेना कठिन था।

फुटबॉल की तरह टी20 लीग का आयोजन होता रहे, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कम हो: कैमरन

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज क्रिकेट के पूर्व अध्यक्ष डेव कैमरन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का अगला चेयरमैन बनने की इच्छा रखते हैं और वह क्रिकेट की दुनिया की कल्पना कुछ इस तरह करते हैं कि इसमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर के बजाय ज्यादा जोर निजी टी20 लीग को दिया जाए। कैमरन हालांकि आईसीसी के इस पद पर काबिज होना चाहते हैं लेकिन क्रिकेट वेस्टइंडीज ने वैश्विक संस्था में इस शीर्ष पद के लिये उनकी उम्मीदवारी को समर्थन नहीं दिया है। वर्ष 2013 से 2019 तक क्रिकेट वेस्टइंडीज प्रमुख रहे कैमरन ने लंबी इंडियन प्रीमियर लीग का प्रस्ताव दिया और वह चाहते हैं कि सभी टी20 लीग साथ साथ चलती रहे जैसे शीर्ष फुटबॉल लीग ईपीएल, ला लिगा और सीरी ए का आयोजन होता है जो एक ही समय शुरू होती हैं। कैमरन ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट खेलना छोटी टीमों जैसे अफगानिस्तान और आयरलैंड के लिए विकल्प होना चाहिए, यह अनिवार्य नहीं होना चाहिए। इंग्लैंड के कोलिन ग्रेव्स को आईसीसी चेयरमैन पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है और भारत के सौरव गांगुली भी इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं। इसके लिये आईसीसी बोर्ड से कम से कम दो वोट की जरूरत होती है और कैमरन का कहना है कि उनके पास ये सुरक्षित हैं।

लिजेंड्स ऑफ शतरंज - कार्लसन नेपोंनियची, अनीश और स्वीडलर प्ले ऑफ में , आनंद हुए बाहर

नॉर्वे (निकलेश जैन) पिछले दस दिनो से चल रहे मेगनस कार्लसन लीग के आखिरी पड़ाव लिजेंड्स ऑफ चैस इंटरनेशनल शतरंज के प्ले ऑफ चरण में पहुँचने वाले खिलाड़ी तय हो गए है । भारत के 5 बार के विश्वनाथन आनंद अपने खराब प्रदर्शन के चलते पाँच अन्य खिलाड़ियों रूस के ब्लादिमीर क्रामनिक ,हंगरी के पीटर लेको ,उक्रेन के वेसली इवांचुक ,इज़राइल के बोरिस गेलफंड ,चीन के डिंग लीरेन के साथ टूर्नामेंट के प्ले ऑफ में नहीं पहुँच सके है । जबकि विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसान ,रूस के इयान नेपोंनियची ,नीदरलैंड के अनीश गिरि और रूस के पीटर स्वीडलर शीर्ष 4 में शामिल होकर एक दिन के विश्राम के बाद प्ले ऑफ मुक़ाबले खेलेंगे । अंतिम राउंड में विश्वनाथन आनंद एक बार फिर टाईब्रेक मुक़ाबले में पराजित हो गए । उक्रेन के वेसली इवांचुक के खिलाफ उन्होने चारी रैपिड बाज़ियाँ ड्रॉ खेली और 2-2 के स्कोर के बाद अरमगोदें टाईब्रेक में उन्हे हार का सामना करना पड़ा । प्रतियोगिता में आनंद सिर्फ 7 अंक जुटा सके और सिर्फ हंगरी के 6 अंक बनाने वाले पीटर लेको से आगे रहे । उम्मीद है की आनंद ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड में अपनी लय पा लेंगे प्ले ऑफ सेमी फाइनल में मेगनस कार्लसन पीटर स्वीडलर से तो अनीश गिरि नेपोंनियची से मुक़ाबला खेलेंगे ।

कोविड टेस्ट निगेटिव आने के बाद इंग्लैंड में पाकिस्तान टीम से जुड़े आमिर

डर्बी । बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ब्रिटेन पहुंचने के बाद लगातार दो कोरोना टेस्ट में निगेटिव पाए गए हैं। इसके बाद वह यहां पाकिस्तान क्रिकेट टीम से जुड़ गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गुरुवार को पुष्टि की। पीसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, लगातार दो कोविड-19 टेस्ट निगेटिव पाए जाने के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर डर्बी में पाकिस्तान टीम से जुड़ गए हैं। आमिर 24 जुलाई को लाहौर से इंग्लैंड के लिए रवाना हुए थे और ब्रिटेन की सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार पांच दिन तक क्वॉरंटीन में रहे और इस दौरान उनके लगातार दो कोविड-19 टेस्ट निगेटिव पाए गए। पीसीबी ने साथ ही पुष्टि की है कि पहले पॉजिटिव पाए गए तेज गेंदबाज हारिस रऊफ अब निगेटिव पाए गए हैं और उनके जल्द ही इंग्लैंड में बाकी टीम से जुड़ने की उम्मीद है। क्रिकेट बोर्ड ने कहा, तेज गेंदबाज हारिस रऊफ दूसरे कोविड-19 परीक्षण में भी निगेटिव आए हैं और इंग्लैंड में टीम से जुड़ने का पात्र है। नियमों के अनुसार, सोमवार और बुधवार को उनका टेस्ट किया गया। उनके इस सप्ताह तक रवाना होने की उम्मीद है। समय आने पर उनकी यात्रा की योजना साझा की जाएगी। पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे की शुरुआत मैनचेस्टर में पांच अगस्त से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के साथ होगी। आमिर इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी 20 सीरीज में खेलेंगे जो 28 अगस्त से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

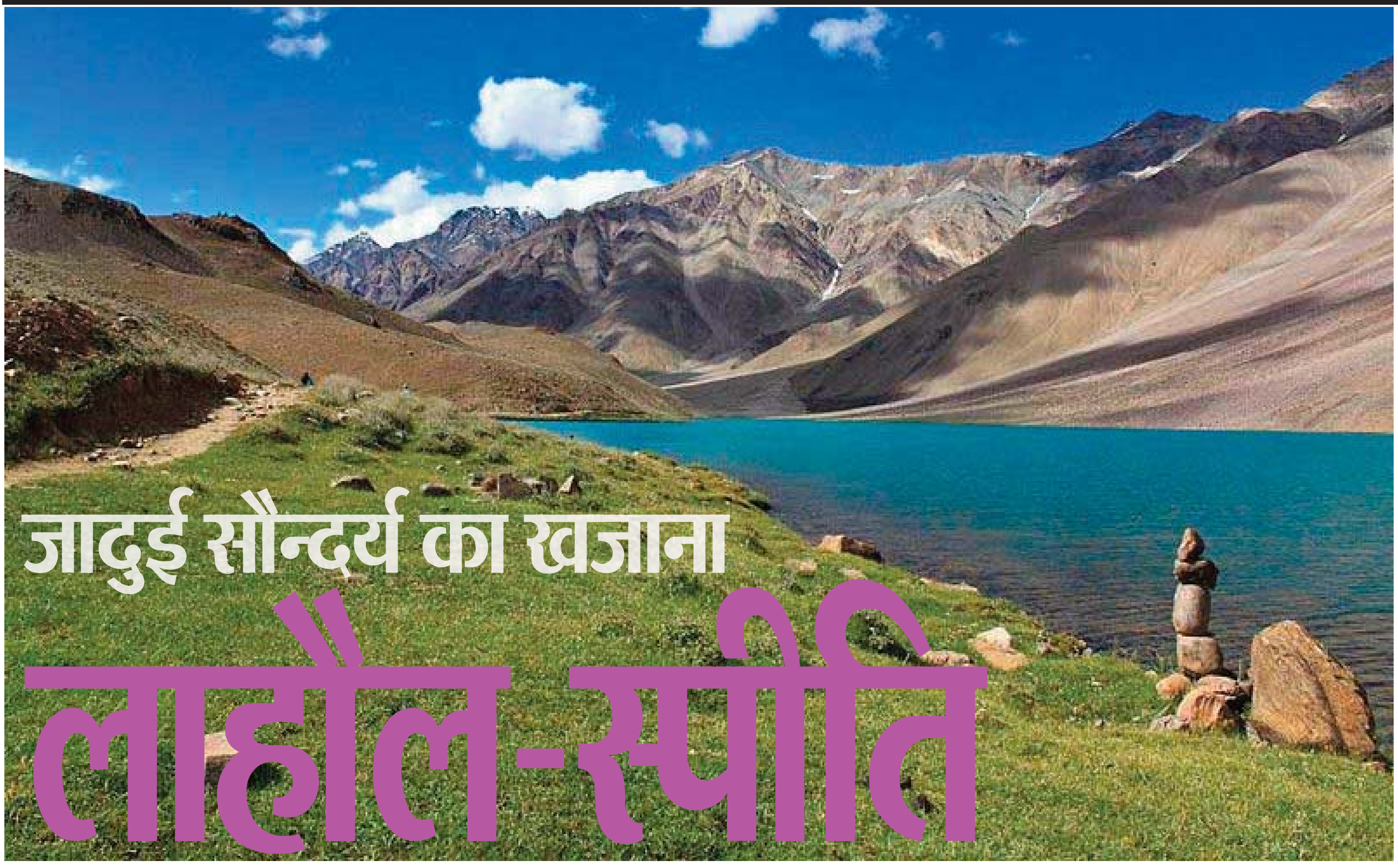

जादुई सौन्दर्य का खजाना लाहौल-स्पीति

लाहौल और स्पीति हिमाचल प्रदेश के सुदूर इलाकों में से एक है। इन्हीं इलाकों के नाम पर जिले का नाम लाहौल स्पीति रखा गया है। यह हिमाचल प्रदेश के भारत-तिब्बत सीमा पर स्थित है। लाहौल और स्पीति दो जिले थे, जिन्हें 1960 में एकीकृत कर दिया गया था। अब यह हिमाचल प्रदेश का एक जिला है। लाहौल और स्पीति अपनी ऊंची पर्वतमाला के कारण शेष दुनिया से एक तरह से कटा हुआ है। रोहतांग दर्रा 3978 मीटर की ऊंचाई पर लाहौल और स्पीति को कुल्लू घाटी से अलग करता है। जिले की पूर्वी सीमा तिब्बत से मिलती है। चारों तरफ झीलों, दर्रा और हिमखंडों से घिरी आसमान छूते शैल-शिखरों के दामन में बसी लाहौल-स्पीति घाटियां अपने जादुई सौन्दर्य और प्रकृति की विविधताओं के लिए मशहूर है। प्रकृति ने तो इसे लाजवाब सौंदर्य प्रदान किया है। मैदानी और पहाड़ी रास्तों पर दूर-दूर तक जहां भी नजर डालें, बर्फ ही बर्फ दिखाई देती है। सर्दियों के मौसम में तो बर्फ के अलावा और कुछ दिखता ही नहीं। इसीलिए स्कीइंग और आइस स्केटिंग के लिए लाहौल का अपना महत्व है। यद्यपि लाहौल स्पीति एक जिला है, लेकिन भौगोलिक दृष्टि से ये दोनों अलग-अलग जगहें हैं। स्पीति ठंडा रेगिस्तान है, जहां बारिश नाम मात्र की होती है और लाहौल घाटी विशाल चट्टानी पर्वतों के मध्य बसी है। इसका मुख्यालय केलांग है। यहां के सैरसपाटे के लिए जाने वालों को रोमांचकता से भरपूर प्रकृति से रूबरू होने का अवसर मिलता है

किन्नौर : हिमाचल प्रदेश का सीमावर्ती जिला किन्नौर आज भी किन्नर देश के नाम से जाना जाता है। शिमला से काजा यानी स्पीति जाते समय सभी सैलानी किन्नौर जरूर घूमते हैं। सतलज के आरपार फैली किन्नौर की सुंदर और रोमांचक घाटियों को देखने का अद्भुत आन्नद मिलता है। सांगला घाटी किन्नौर का मुख्य आकर्षण है। यहां पूरे सालभर बर्फ से ढकी चोटियां, विभिन्न प्रकार के मनमोहक खुशबू बिखेरते फूल, सेब, बादाम, अंगूर के बाग और बौद्ध मंदिर में नृत्य महोत्सव यहां आने वाले सैलानियों का स्वागत करते नजर आते हैं।

काजा : हिमाचल प्रदेश के दुर्गम और कठिन इलाकों में शुमार काजा का नाम प्रमुख है। समुद्र तल से 3660 मीटर की ऊंचाई पर स्पीति नदी के बाईं तरफ काजा बसा है। यह लाहौल स्पीति जिले का उपमुख्यालय भी है। यह स्थान सैलानियों को इतना मस्त कर देता है कि वे यहां स्वर्ग सा महसूस करते हैं। काजा से 12 किलोमीटर दूर ''की' नामक बौद्ध विहार है।

किब्बर : काजा के आसपास आकर्षणों में विश्व प्रसिद्ध किब्बर गांव है, जो दुनिया का ऐसा सबसे ऊंचा गांव कहलाता है, जहां सड़क और बिजली पहुंच चुकी है। जबकि वर्ष के अधिकांश महीनों में यहां बर्फ पड़ती है। इतनी ऊंचाई पर भी कुछ लोग बस गये हैं जिसे गेते कहा जाता है। किब्बर विश्व भर के पर्वतारोहियों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। यहां से हिमालय के विभिन्न स्थानों पर पैदल मार्ग से जाते हैं। ये मार्ग प्राय- नक्शों या अनुमान से तलाश लिए जाते हैं।

कुंजम दर्रा : काजा से घूमने के बाद सैलानी स्पीति के सीमांत की ओर बढ़ते हैं। जहां कुंजम दर्रा से मुलाकात होती है, जो विश्व प्रसिद्ध रोहतांग दर्रा से काफी ऊंचा है। यहां से पर्यटक छोटा शिगड़ी ओर बड़ा शिगड़ी ग्लेशियरों को देख सकते हैं। कुजंम दर्रा पार करने के लिए 4551 मीटर की ऊंचाई को पार करना पड़ता है। इसके पार करने पर निचले भूभाग में लाहौल का विस्तार है। जो स्पीति जैसा चट्टानी और रेतीला कम, हराभरा और उपजाऊ ज्यादा है।

चंद्रताल झील : कुंजम दर्रा पर आने से पहले घोड़े द्वारा या पैदल चलकर बाटल नामक स्थान से दाहिनी ओर मुड़कर चंद्रताल झील के तिलस्मी लगने वाले संसार में पहुंचा जा सकता है। वास्तव में चंद्रताल झील स्तब्ध और मुग्ध कर देने वाली झील है जिसमें से चंद्र नदी निकलती है। यही नदी आगे सूरजताल झील से निकली भागा नदी से मिलकर चंद्रभागा कहलाती है। यही चंद्रभागा लाहौल से निकलते ही चिनाब बन जाती है।

बारालाचा दर्रा : यह दर्रा केलांग से 75 किलोमीटर आगे 4890 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। बारालाचा दर्रा से जंस्कर, लद्दाख, स्पीति और लाहौल के चार मार्ग जुड़ते हैं। यह दर्रा प्रचीन व्यापारियों, हमलावरों और सैलानियों का मुख्य केंद्र रहा।

सूरजताल : बरालाचा दर्रा की शुरुआत पर ही सूरजताल को रास्ता जाता है। चंद्रताल या सूरजताल जाने के इच्छुक लोगों को काजा या केलांग अथवा शिमला या मनाली के पर्यटन केंद्र से पूरी जानकारी ली जा सकती है, क्योंकि कुछ पर्यटन स्थल पर्यटकों के लिए प्रतिबंधित हैं।

केलांग : कुल्लू मनाली से रोहतांग-पास के रास्ते लाहौल जाने वालों के लिए केलांग जाना पहचाना नाम है। केलांग से ही लेह के लिए बस मार्ग है। काजा और केलांग के रास्तें में खेकसर, सिस्तु, गांधला आदि स्थान दर्शनीय हैं। भागा के तट पर बसा केलांग लाहौल स्पीति का मुख्यालय और प्रमुख बाजार है। केलांग अपने खुले भूभाग और सुंदरता के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां अनेक बौद्ध मंदिर और प्राचीन मठ हैं।

ताबो मठ : प्रसिद्ध ताबो मठ लगभग एक हजार साल पहले बना था। यह बौद्ध विहार अनेक प्रतिमाओं, चित्रों, दुर्लभ पांडुलिपियों और प्रचीन वाद्ययंत्रों का संग्रहालय है। जिसमें बौद्ध लामा व भिक्षुओं का समाज रहता था, जो लोगों को ध्यान, ज्ञान की दीक्षा देता था। ताबो में 9 मंदिर, 23 स्तूप देखने लायक हैं।

पिन घाटी : हिमालय की बेहद खूबसूरत घाटी है पिन। ट्रैकिंग के लिए यहां काफी लोग आते हैं। यहां के जंगलों में बर्फीले इलाकों का तेंदुआ और आइबेक्स पाए जाते हैं। ये दोनों जानवर अब विलुप्ति के कगार पर हैं।

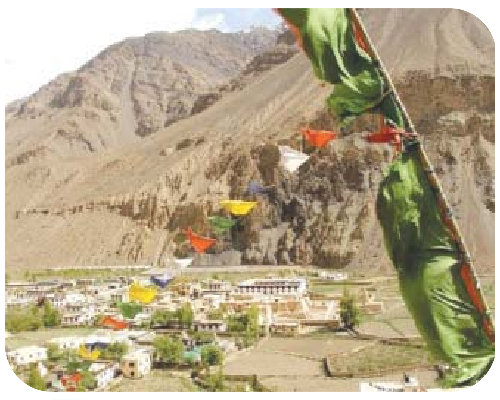

पर्यटन का खजाना मध्यप्रदेश

पर्यटन में अलग ही पहचान रखता हैं मांडू

भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश में पर्यटन के ऐसे बहुत से स्थल है जहां देश विदेश के असंख्य सैलानी इन्हें देखने आते हैं। धार्मिक महत्व के अलावा पुरातात्विक महत्व के इन स्थलों में कान्हा किसली, महेष्वर खजुराहो, भोजपुर, ओंकारेश्वर, सांची, पचमढ़ी, भीमबेटका, चित्रकूट, मैहर, भोपाल, बांधवगढ़, उज्जैन, आदि उल्लेखनीय स्थल हैं।

कान्हा किसली

940 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विकसित कान्हा टाइगर रिजर्व राष्ट्रीय उद्यान हैं। इसे देखने के लिए किराये पर जीप, टाइगर ट्रेकिग के लिए हाथी पर सवार होकर उद्यान को देख सकते हैं। कान्हा में वन्यप्रणियों की 22 प्रजातियों के अलावा 200 पक्षियों की प्रजातिया है। यहां बामनी दादर एक सनसेट प्वाइंट है। यहां से सांभर और हिरण जैसे वन्यप्रणियों को आसानी से देख जा सकता है। लोमड़ी और चिंकारा जैसे वन्यप्राणी कम ही देखने को मिलते हैं। कान्हा जबलपुर, बिलासपुर और बालाघाट से सड़क माग से पहुंचा जा सकता है। नजदीकी विमातल जबलपुर में हैं।

महेश्वर

रामायण और महाभारत में महेश्वर को महिष्मती के नाम से संबोधित किया गया है। देवी अहिल्याबाई होल्कर के समय में बनाए गए सुंदर घाटों का प्रतिबिम्ब नदी में दिखाई देता है। महेश्वर किले के अंदर रानी अहिल्याबाई की राजगद्दी पर बैठी एक प्रतिमा रखी गई हैं। महेश्वर घाट के आसपास कालेश्वर, राजराजेश्वर, विठ्ठलेश्वर और अहिलेश्वर के सुन्दर मंदिर हैं। इंदौर विमानतल से 91 किलोमीटर पर महेश्वर स्थित हैं।

भीमबेटका

भोपाल से 46 किमी की दूरी पर स्थित है भीमबेटका जहां हजारों साल पुरानी गुफाएं हैं। इस पर्यटन स्थल की विशेषता चट्टानों पर हजारों वर्ष पूर्व बनी चित्रकारी एवं करीब 500 गुफाएं हैं। यहां प्राकृतिक लाल और सफेद रंगों से वन्यप्राणियों के शिकार दृष्यों के अलावा घोड़े, हाथी, बाघ आदि चित्र उकेरे गए हैं। इसके अलावा आदिपुरुष एवं जीवों के विभिन्न रूपों में अनेक प्रकार के प्राचीन चित्र होने के साथ ही आदिमानव द्वारा निर्मित भीत्ती चित्रों की दुर्लभ श्रृंखला देखते ही बनती है। यहा पिकनिक के लिए उपयुक्त स्थान है। यहां पुरातत्व का अथाह खजाना भरा पड़ा हैं। सैलानी यहां सदैव आते-जाते रहते हैं। भोपाल से नजदीकी के कारण भीमबेटका में रुकने के साधन नहीं हैं। जहां सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता हैं।

मांडू

मध्यप्रदेश में यों तो पर्यटन स्थलों का अथाह भंडार है किन्तु उनमें भी मांडू अपनी विशिष्टता के लिए अपना अलग ही स्थान रखता है। कहने वाले इसे खंडहरों के गांव के नाम से भी संबोधित करते हैं परंतु इन खंडहरों के बोलते पत्थर हमें इतिहास के कथा बयां करते है जिसमें रानी रूपमती और बादशाह बाज बहादुर के अमर प्रेम और मांडू के षासकों की विष्शल समृद्ध विरासत व शानो-शोकत के साथ ही हरियाली से आच्छादित पर्यटको का स्वागत करते जहां के प्राचीन दरवाजे। धुमावदार रास्तों के साथ ही सीताफलों से लबालब भरे पेड़, कमलगटे, इमली के विषाल वृक्ष बरबस ही पर्यटको को अपनी ओर आकर्षित करे बिना नहीं रहते।

विंध्याचल की पहाड़ियों पर लगभग दो हजार फीट की ऊचाई पर स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ के नाम से भी जाना जाता है हिंडोला महल, रानी रूपमती का महल, जहाज महल, जामा मस्जिद, अशरफी महल, जैन धर्म का 1472 ई. की पार्श्वनाथ की श्वेत पद्मासन प्रतिमा देखने योग्य है। नीलकंठ महल की दीवारों पर अकबरकालीन कला की नक्काशी भी देखने योग्य हैं। अन्य स्थलों में हाथी महल, दरियाखान की मजार, दाई का महल, दाई की छोटी बहन का महल, मलिक मघत की मस्जिद और जाली महल भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

यहां मई ओर जून में गर्मी अधिक पड़ने के कारण जाना उचित नहीं हैं। जुलाई से मार्च तक यहां सैलानियों का जमघट लगा रहता है। यहीं एक रेवा कुंड का निर्माण बादशाह बाजबहादुर ने अपनी प्रेमिका रानी रूपमती के महल में पानी की र्प्याप्त व्यवस्था के स्त्रोत के रूप में करवाया था।

मांडू में 12 प्रवेश द्वारा 45 किलोमीटर की परिधी में निर्मित हैं। जिनमें 'दिल्ली दरवाजा प्रमुख हैं। शैल और चट्टानों से सराबोर मांडू के बारे में यह जानना आवष्यक है कि मालवा के राजपूत परमार षासक भी बाहरी आक्रमण से अपनी रक्षा के लिए मांडू को ही सबसे सुरक्षित जगह मानते थे।

मांडू में देवादिदेव नीलकंठ शिवजी का मंदिर है जिसमें जाने के लिए अंदर सीढ़ी उतरना पड़ता है। इस मंदिर के सौन्दर्य और पेड़ों से घिरे तालाब से एक धार नीचे शिवजी का अभिषेक करती हुई प्रतीत होती है।

धार से लगभग 33 और इंदौर से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित मांडवगढ़ (मांडू) पहुंचने के लिए इंदौर व रतलाम निकट के रेल्वे स्टेशन है। बसों से भी मांडू जाया जा सकता है।

वास्तुकला का अनुपम संगम भोजपुर

मध्यप्रदेश की गंगाजमुनी तहजीब से परिपूर्ण राजधानी भोपाल से 32 किलोमीटर दूर 11 वीं सदी के परमारवंशीय राजा भोज प्रथम (ईस्वी 1010-1035) द्वारा बेतवा नदी के किनारे बना उच्च कोटि की वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण है भोजपुर, जिसे भोजेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस पर्यटन स्थल पर स्थापित मंदिर की विशालता का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि इसका चबूतरा 35 मीटर लंबा, 25 मीटर चैड़ा और 4 मीटर ऊंचा है। भारी भरकम पत्थरों से बना यह चबूतरा अपने आप में अद्वितीय है। हजारों टनों की वजनदार अनेक पत्थरों को इस चबूतरे पर चढ़ाकर मंदिर के गर्भगृह का निर्माण किया गया है। मान्यता है कि यहां स्थापित

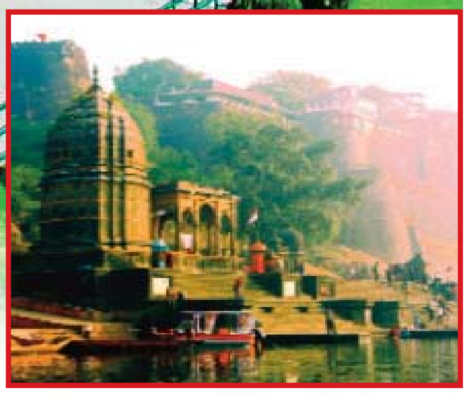

शिवलिंग देश का सबसे ऊंचा शिवलिंग है 26 फीट ऊंचाई के गढ़े हुए गौरी पट्ट पर स्थित शिवलिंग की ऊंचाई साढ़े सात फीट तथा उसकी परिधि 18 फीट है। शिव भक्त ने उक्त मंदिर का निर्माण अपने पिता की स्मृति में करवाया था जिसका डिजाइन 'स्वर्गारोहणप्रसाद कहलाता है। मंदिर से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर जैन मंदिर है। जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं है। 20 फीट ऊंची भगवान महावीर स्थापित है। यहां वर्ष भर श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है। लेकिन महाशिवरात्रि, सावन मास एवं अन्य त्यौहारों पर यहां लगने वाले मैलों में दूरदराज के गांवों से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या देखते ही बनती है। यहां पहुंचने के लिए आवगमन के अनेक साधन उपलब्ध है। यहां देश के किसी भी कोने से हवाई या रेलमार्ग द्वारा भोपाल पहुंच सकते हैं। भोपाल से होषंगाबाद रोड, या मंडीदीप की बस में बैठकर भोजपुर उतरें। एवं वहां से मंदिर पैदल चलें। मंदिर की 5 किलोमीटर परिधि में ठहरने का कोई स्थान नहीं हैं अत: भोपाल ही ठहरने के लिए उपयुक्त स्थान है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

मथुरा: गार्ड और सुरक्षाकर्मियों को खबर नहीं, खिड़की की ग्रिल तोड़कर फरार हो गए 14 बाल कैदी

मथुरा. बाल सुधार गृह में रखे गए 14 बाल कैदी पूरे स्टाफ की मौजूदगी में जेल से फरार हो गए और किसी को खबर भी नहीं हुई. घटना देर रात 3 बजे की है. बाल सुधार गृह में बंद 14 बाल कैदियों ने जेल की खिड़की की ग्रिल तोड़ी और फरार हो गए. हैरानी की बात ये है कि सभी बाल कैदी मेन गेट से फरार हुए लेकिन किसी भी गार्ड या सुरक्षाकर्मी को इसकी खबर भी नहीं लगी. फिलहाल पुलिस ने 7 बाल कैदियों को खोज लिया है. जेल के मेन गेट पर गार्ड भी तैनात थे और जेल में सुरक्षाकर्मी भी मौजूद थे. इसी बीच घात लगाकर 1-2 नहीं बल्कि 14 बाल कैदी भाग गए. बाल कैदियों के भागने की सूचना से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है. पुलिस के अधिकारी जेल पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए हैं.7 बाल कैदियों को पकड़ा गया बाल सुधार गृह थाना सदर बाजार इलाके की ऑफिसर कॉलोनी के पास स्थित है और डीएम कार्यालय से थोड़ी ही दूर पर है. ऐसे में पुलिस ने घटना के बाद आस-पास के इलाकों में दबिश दी ताकि फरार हुए बाल कैदियों को पकड़ा जा सके. पुलिस ने इसमें कामयाबी हासिल करते हुए 7 बाल कैदियों को फिर से पकड़ लिया है, जबकि 7 की तलाश जारी है. इस तरह स्टाफ की मौजूदगी में 14 बाल कैदियों का फरार हो जाना प्रशासन और जेल स्टाफ को सीधी चुनौती देने जैसा है. हालांकि मथुरा बाल सुधार गृह से बाल आरोपियों के भागने की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं.

भीमा मंडावी हत्याकांड में तीन आरोपी गिरफ्तार, NIA में पेशी के बाद भेजे गए 7 दिन की रिमांड पर

रायपुर. बीजेपी के विधायक भीमा मंडावी की हत्या के मामले में एनआईए ने मंगलवार को तीन आरोपियों को अरेस्ट किया है. आरोपियों के नाम लक्ष्मण जायसवाल, रमेश कुमार कश्यप और कुमारी लिंगे है. तीनों को गिरफ्तार कर एनआईए कोर्ट में पेश किया गया. जहां से इन्हें 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है. आपको बता दें कि दंतेवाड़ा के पूर्व विधायक भीमा मंडावी की हत्या 9 अप्रैल 2019 को की गई थी. एनआईए की जांच के मुताबिक हत्या का आरोपी लक्ष्मण साव नकुलनार में एक ग्रॉसरी शॉप चलाता था. इसी ने नक्सलियों को इलेक्ट्रिक वायर, विस्फोट करने की सामग्री और आईईडी ब्लास्ट करने के लिए सामाग्रन दिया था.दूसरा आरोपी रमेश कुमार कश्यप उर्फ रमेश हेमला पूर्व सरपंच था. रमेश हेमला और कुमारी लिंगे ने मिलकर नक्सलियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट दिया था. आपको बता दें कि दंतेवाड़ा के पूर्व विधायक भीमा मंडावी 9 अप्रैल 2019 को लोकसभा चुनाव के प्रचार से लौट रहे थे. तभी नक्सलियों ने उनकी गाड़ी को विस्फोट से उड़ा दिया था. इस घटना में पूर्व विधायक भीमा मंडावी के साथ-साथ उनकी सुरक्षा में तैनात छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के चार जवानों की मौत हो गई थी.

बिकरू हत्याकांड: विकास दुबे के साथी गोपाल सैनी ने कानपुर देहात कोर्ट में किया सरेंडर

कानपुर. बिकरू में 8 पुलिसकर्मियों की हत्या में विकास दुबे का साथ देने वाला गोपाल सैनी अब सामने आया है. उसने पुलिस की नजरों से बचकर कानपुर देहात के माती कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. गोपाल सैनी 2-3 जुलाई की रात बिकरू गांव में हुए हत्याकांड में नामजद अभियुक्त है और घटना से बाद से ही वांछित था. उस पर 1 लाख का इनाम घोषित था.

पुलिस उसकी तलाश तब से ही कर रही थी, लेकिन उसने पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में सरेंडर कर दिया. अब पुलिस कोर्ट से गोपाल की कस्टडी रिमांड को लेकर मांग करेगी. जिसके बाद उससे पूछताछ का सिलसिला जारी होगा. विकास दुबे भी करना चाहता था सरेंडर गोपाल सैनी को सरेंडर में कामयाब हो गया लेकिन उसका आका विकास दुबे सरेंडर की कोशिश में उत्तर प्रदेश से मध्य प्रदेश तक भागता रहा. वो सरेंडर तो नहीं कर पाया लेकिन मध्य प्रदेश पुलिस की गिरफ्त में जरूर आ गया. जिसके बाद विकास दुबे का एनकाउंटर झांसी से कानपुर आने के रास्ते में हुआ. विकास दुबे की मौत के बाद आ रहे उसके ऑडियो क्लिप्स और चैट्स में साफ तौर पर ये बात सामने आई है कि विकास दुबे कोर्ट में सरेंडर करने की फिराक में था, लेकिन कामयाब नहीं हो पाया.

बिकरू कांड: विकास दुबे के करीबी नहीं दे पा रहे कारतूसों का हिसाब

पुलिस जांच में 26 लोगों अपने कारतूसों का हिसाब नहीं दे पा रहे हैं.

लखनऊ. कानपुर हत्या कांड (Kanpur Encounter) मामले में जारी पुलिस जांच में एक और बड़ा खुलासा हुआ है. विकास दुबे (Vikas Dubey) के परिजन और करीबी लोग के अलावा बिकरू गांव में कुल 26 शस्त्र लाइसेंस धारक हैं लेकिन वो पुलिस को अपने कारतूसों का हिसाब नहीं दे पा रहे हैं.दरअसल, बिकरू कांड (Bikaru Encounter) के बाद पुलिस प्रशासन ने विकास दुबे के परिजनों, रिश्तेदारों और गांव में लाइसेंस शस्त्र धारकों का विवरण जुटाया था. इस दौरान गांव के 26 लोगों का नाम सामने सामने आया था, जिन्होंने शस्त्र का लाइसेंस मिला हुआ है. पुलिस को यह भी पता चला था कि विकास दुबे का भाई दीपक दुबे, उसकी पत्नी, पिता समेत कुल 26 लोगों के पास 28 शस्त्र लाइसेंस हैं. पुलिस का दावा है इन शास्त्रों का उपयोग 2 जुलाई को पुलिस पर हमले में किया गया था.गौरतलब है कि 2 जुलाई को कानपुर के बिकरू गांव में गैंगस्टर विकास दुबे को पकड़ने गई पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी. जिसमें एक एसएचओ समेत 8 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे. इस हत्याकांड के बाद पूरे देश में शहीद पुलिसकर्मियों के लिए न्याय दिलाने की आवाज उठने लगी थी. जिसके बाद यूपी सीएम ने खुद संज्ञान लिया और हत्या कांड में शामिल सभी आरोपियों की धरपकड़ तेज हो गई. हालांकि बहुत जल्द इस हत्या कांड का मुख्य आरोपी पुलिस के हाथ लग गया और हिरासत से भागते समय पुलिस एनकाउंटर में उसकी मौत हो गई.

'5 एकड़ जमीन का सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड कुछ भी करे, मैं तो मंदिर भूमिपूजन से खुश हूं': इकबाल अंसारी

अयोध्या. बाबरी मस्जिद के पक्षकार रह चुके इकबाल अंसारी ने सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन और इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन मस्जिद ट्रस्ट के अध्यक्ष जफर फारुखी से नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्हें मस्जिद के लिए नए बनाए गए ट्रस्ट से कोई लेना-देना नहीं है बल्कि वो इस बात से खुश हैं कि पीएम मोदी मंदिर के भूमिपूजन के लिए अयोध्या आ रहे हैं. सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड पर लगाए आरोप अयोध्या के धनीपुर में मस्जिद के लिए ट्रस्ट बनाया गया है. बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने कहा कि उनका

नवगठित ट्रस्ट से कोई लेना देना नहीं है. इकबाल अंसारी शुरू से ही मांग करते रहे हैं कि 5 एकड़ भूमि में स्कूल और अस्पताल बनाया जाए लेकिन इकबाल अंसारी इस मांग को सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने कभी गंभीरता से नहीं लिया.

5 एकड़ जमीन का कुछ भी करें जफर फारुखी

इकबाल अंसारी का कहना है कि 9 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर का फैसला कर दिया है. मुसलमानों को जमीन भी दे दी है. उन्होंने कहा अब जफर फारुखी जो करना चाहें वो करें लेकिन इकबाल अंसारी इस बात पर खुश हैं कि पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों अयोध्या में भूमि पूजन 5 अगस्त को रहा है और राम मंदिर निर्माण शुरू होने वाला है.

NDA में कोई मतभेद नहीं, तेजस्वी को सिर्फ सत्ता की कुर्सी का लालच: BJP

बीजेपी नेता ने कहा कि, तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष हैं, उन्हें अपने विधानसभा क्षेत्र की चिंता नहीं है, उन्हें सिर्फ सत्ता की कुर्सी का लालच है. बीजेपी कुर्सी की राजनीति नहीं, जनसेवा की राजनीति करती है.

पटना. बीजेपी विधायक मिथिलेश तिवारी के बयान पर बिहार में बयानबाजी तेज हो गई है. विपक्ष का आरोप है कि, एनडीए (NDA) में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो वहीं, बीजेपी और जेडीयू इन आरोपों को बेबुनियाद बता रही है. बीजेपी प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा है कि, एनडीए में सबकुछ बढ़िया है और मिलकर बेहतर काम किया जा रहा है.उन्होंने कहा कि, जहां तक विधायक का सवाल है, वह अपने क्षेत्र की समस्या उठा रहे हैं. अपने क्षेत्र की समस्या के लिए ही जनता ने उन्हें विधायक बनाया है. तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष हैं, उन्हें अपने विधानसभा क्षेत्र की चिंता नहीं है, उन्हें सिर्फ सत्ता की कुर्सी का लालच है. बीजेपी कुर्सी की राजनीति नहीं, जनसेवा की राजनीति करती है.वहीं, नदियों के तटबंधों की मरम्मत को लेकर एनडीए में मतभेद के सवाल पर जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि, ऐसे सवाल

उठाना बईमानी है. सरकार की ओर आए बांधों की सुरक्षा के लिए सभी उपाय किए जा रहे हैं. जबकि विपक्ष द्वारा भ्रामक सवाल उठाए जा रहे हैं, जिनका कोई आधार नहीं है. इंजीनियरों की टीम लगातार तटबंधों की मॉनिटरिंग कर रही है. नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश की वजह से बाढ़ (Flood) के हालात पैदा हुए हैं. जिन जगहों पर बांध टूटे हैं, वहां मुस्तैदी से काम हो रहा है.दरअसल, बीजेपी विधायक मिथिलेश तिवारी ने सरकार और जल संसाधन विभाग पर निशाना साधा था. उन्होंने कहा था कि, बैकुंठपुर में 7 जगहों पर बांध टूटना दुर्भाग्यपूर्ण है. इसके लिए जल संसाधन विभाग के अधिकारी जिम्मेदार हैं. बांधों की मजबूती की जिम्मेदारी जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की है.इधर, बीजेपी (BJP) विधायक के इस बयान ने विपक्ष को संजीवनी देने का काम किया. तेजस्वी यादव समेत पूरा विपक्ष इस मुद्दे पर नीतीश कुमार (Nitish Kumar) सरकार को घेरने लगा. नेता प्रतिपक्ष ने बुधवार को कहा कि, वह तो लंबे समय से कह रहे हैं कि, नीतीश कुमार सरकार में भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है और सीएम भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं.तेजस्वी यादव (Tejashwi Yadav) ने कहा कि, अब तो हमारे सवालों पर सत्तापक्ष के विधायक ने भी मुहर लगा दी है. सरकार को अब जागना चाहिए, क्योंकि जनता बाढ़ और कोरोना वायरस (Coronavirus) से कराह रही है और सीएम 130 दिनों से घर से बाहर नहीं निकले हैं.

बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व की स्थिति बेहद अच्छी, सुशील मोदी ने दी जानकारी

पटना. अंतर्राष्ट्रीय व्याघ्र दिवस के मौके पर बुधवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पिछले साल वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष में 31 बाघ थे, इस साल आठ शावक भी देखे गए हैं. इस आश्रयणी को मैनेजमेंट इफेक्टिवनेस इवेलूएशन के आधार परबहुत अच्छा की श्रेणी में रखा गया है.

ऑल इंडिया टाइगर इस्टीमेशन रिपोर्ट में भी इस आश्रयणी की इकोलॉजी की महत्ता को स्थापित की गई है.मोदी ने कहा, "यहां बाघों के अधिवास प्रबंधन के तहत 1500 हेक्टेयर में घास वाले मैदान के सृजन तथा 500 हेक्टेयर जमीन से खर-पतवार हटाने, वनक्षेत्र में 32 विभिन्न प्रजातियों के जानवरों की बहुलता, गर्मी के दिनों में पीने के पानी की उपलब्धता के लिए 22 वाटर होल के निर्माण सहित कई कारण यहां बाघों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है.उन्होंने कहा कि इसके साथ ही आश्रयणी की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 80 जवानों के स्पेशल टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स के गठन के साथ 600 से अधिक स्थानीय युवाओं को टाइगर ट्रैकर्स तथा एंटी पोचिंग कैम्प पर नियोजित कर जहां उन्हें रोजगार दिया गया है.

वहीं बाघों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है. नेचर गाइड सहित अन्य गतिविधियों से भी स्थानीय युवाओं को जोड़ा गया है.इसके अलावा गंडक नदी में घड़ियाल संरक्षण योजना के तहत कुल 6 नेस्टिंग प्वाइंट चिन्हित कर उनमें से दो में 116 घड़ियाल के बच्चों को छोड़ा गया है. ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने का ही नतीजा रहा कि 2013-14 की 1,218 की तुलना में 2018-19 में यहां 46,424 तो 2019-20 में 83,705 पर्यटक आए.

UP: रातों रात हुए 17 IAS और 15 PCS अफसरों के तबादले, देखिए पूरी लिस्ट

उत्तर प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है. बुधवार को देर रात योगी सरकार ने 32 अधिकारियों के तबादले की लिस्ट जारी कर दी. जिन अधिकारियों के तबादले हुए हैं, उनमें 17 आईएएस और 15 पीसीएस अधिकारी शामिल हैं. इन तबादलों में 10 जिलों में नए सीडीओ की तैनाती की गई है.

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है. बुधवार को देर रात योगी सरकार ने 32 अधिकारियों के तबादले की लिस्ट जारी कर दी. जिन अधिकारियों के तबादले हुए हैं, उनमें 17 आईएएस और 15 पीसीएस अधिकारी शामिल हैं. इन तबादलों में 10 जिलों में नए सीडीओ की तैनाती की गई है. तबादला होने वाले अधिकारियों की लिस्ट इस तरह है - इन IAS अधिकारियों के हुए तबादले - महेंद्र कुमार - विशेष सचिव, एपीसीगजल भारद्वाज - सीडीओ, रामपुरअश्वनी पाण्डेय - सीडीओ, बलिया अमित आसरी - सीडीओ, चित्रकूट अतुल वत्स - सीडीओ,

सुल्तानपुरअंकुर लाठर - सीडीओ, अमेठीअन्नपूर्ण गर्ग - सीडीओ, अम्बेडकरनगर अमित पाल - विशेष सचिव, माध्यमिक शिक्षाविपिन जैन - सीडीओ, प्रतापगढ़इंद्रजीत सिंह - सीडीओ, गोरखपुरमथुं कुमार स्वामी - विशेष सचिव, औद्योगिक विकासगुराला श्रीनिवास - विशेष सचिव, वित्तश्याम सुंदर शर्मा - सचिव, पिछड़ा वर्ग आयोगघनश्याम मीना - सीडीओ, कुशीनगरअरविंद कुमार चौहान - विशेष सचिव, समाज कल्याणमनोज कुमार - निदेशक कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापारकविता मीना - सीडीओ बहराइच इन PCS अधिकारियों का तबादला हुआ - मंजु लता - विशेष सचिव, एपीसीपूनम निगम - अपर आयुक्त झाँसी मंडलविश्राम - अपर जिलाधिकारी न्यायिक कौशांबीनीता यादव - चीफ़ रेवेन्यू अफ़सरअनिल कुमार सिंह - रजिस्टर अटल बिहारी बाजपेई चिकित्सा विश्विद्यालयनरेंद्र सिंह - संयुक्त सचिव होम गार्ड विभागअलका वर्मा - अपर आयुक्त लखनऊ मंडलहरीओम शर्मा - अपर आयुक्त गोरखपुर मंडलनागेंद्र कुमार सिंह - सिटी मजिस्ट्रेट बलियाआनंद कुमार - विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षाअनूप श्रीवास्तव - विशेष सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभागप्रभुनाथ - विशेष सचिव लोक निर्माण विभागबद्री नाथ सिंह - विशेष सचिव राज्यपालशिवेंद्र कुमार सिंह - अपर निबंधक बैंकिंग सहकारितारमेश प्रसाद मिश्रा - अपर आयुक्त झांसी मंडल

सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस में BSP अध्यक्ष मायावती ने भी CBI जांच की मांग की

लखनऊ. अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) की आत्महत्या को लेकर पूरे देश में उनके फैंस CBI जांच की मांग कर रहे हैं. फिल्म इंडस्ट्री के कई अभिनेताओं के साथ साथ बिहार के कुछ राजनेता भी मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं. सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) की आत्महत्या पर सीबीआई जांच की मांग करने वालों में अब उत्तर प्रदेश की कद्दावर नेता और बहुजन समाजवादी पार्टी की अध्यक्ष मायावती का भी नाम शुमार हो गया है. मायावती ने अपने ट्विटर हैंडल से इस मामले पर ट्वीट करते हुए लिखा है कि बिहार मूल के युवा बालीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) की मौत का मामला रोज नए तथ्यों के उजागर होने और उनके पिता द्वारा पटना पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने से लगातार गहराता जा रहा है. अब मामले की जांच महाराष्ट्र और बिहार पुलिस द्वारा होने से बेहतर है कि प्रकरण की जांच सीबीआई ही करेमायावती ने आगे लिखा है कि महाराष्ट्र और

बिहार राज्यों के कांग्रेसी नेता इस केस की आड़ में अपने राजनैतिक हित साधना चाहते हैं. ऐसे में जांच का जिम्मा केंद्रीय एजेंसी को सौंपना बेहतर विकल्प है. प्रधानमंत्री को भी लिखी गई चिट्ठीसुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) की आत्महत्या के बाद उनके फैंस इस बात को मानने को तैयार ही नहीं हैं कि उनकी मौत खुदकुशी है. मामले में जाने माने वकील और राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने एक चिट्ठी प्रधानमंत्री को लिखी थी, जिसमें सीबीआई जांच की मांग की गई थी.

यूपी में ED की बड़ी कार्रवाई, बैंक फ्रॉड में चमड़ा कारोबारी इरशाद आजम गिरफ्तार

कानपुर. प्रवर्तन निदेशालय (Enforcement Directorate) के लखनऊ जोन कार्यालय ने बैंक फ्रॉड के आरोप में कानपुर के चमड़ा कारोबारी इरशाद आजम को गिरफ्तार किया, इरशाद पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप भी है. कई बैंकों की शिकायत पर ईडी ने इरशाद के खिलाफ केस दर्ज किया था.इरशाद आजम ने इलाहाबाद बैंक, ओरियंटल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया आदि से करोड़ों रुपये का लोन लिया था. उसने विदेशों में चमड़े के निर्यात के नाम पर ये लोन लिए थे. जांच में इरशाद के कारोबार में कई गड़बड़ियां सामने आईं हैं.

उन्नाव: रात भर कोतवाली में धरना जमाए बैठे रहे BJP विधायक पंकज गुप्ता, पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

विधायक का आरोप है कि पुलिस ने कोतवाली में बुजुर्गों के साथ अमानवीय व्यवहार किया. जब इसकी जानकारी पंकज गुप्ता को लगी तो वे देर रात करीब 1 बजे उन्नाव सदर कोतवाली पहुंच गए. विधायक का कहना है कि यहां आकर भी उन्नाव पुलिस का उनके साथ व्यवहार ठीक नहीं था.

उन्नाव. उन्नाव पुलिस के खिलाफ BJP सदर विधायक पंकज गुप्ता सदर कोतवाली में रात करीब 2 बजे धरने पर बैठ गए, विधायक का आरोप है कि पुलिस समाजवादी पार्टी की मानसिकता से काम कर रही है और सभ्रांत नागरिकों के साथ-साथ BJP कार्यकर्ताओं से भी लगातार अभद्र व्यवहार कर रही है. इस दौरान सदर विधायक के समर्थकों ने उन्नाव पुलिस मुर्दाबाद और चोर पुलिस के नारे भी लगाए. विधायक का गुस्सा

इस बात पर भी था कि रात 2 बजे से सुबह तक वे धरने पर बैठे रहे और उन्नाव के एसपी ने यहां आने तक की जरूरत नहीं समझी. हालांकि बाद में डीएम जरूर मौके पर पहुंचे और जांच के आश्वासन के बाद धरना खत्म कराया. मंदिर विवाद में बुजुर्गों को थाने लाई पुलिस, भड़के विधायक सदर कोतवाली के मोहल्ला हिरन नगर में एक मंदिर निर्माण को अवैध बताकर पुलिस 8 से ज्यादा बुजुर्ग लोगों को कोतवाली ले आई. बीजेपी सदर विधायक पंकज गुप्ता ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए फोन पर बात की और बुजुर्गों के खिलाफ कारवाई न करके मामले की निष्पक्ष जांच की बात कही. विधायक का आरोप है कि इसके बावजूद पुलिस ने कोतवाली में बुजुर्गों के साथ अमानवीय व्यवहार किया. जब इसकी जानकारी पंकज गुप्ता को लगी तो वे देर रात करीब 1 बजे उन्नाव सदर कोतवाली पहुंच गए, विधायक का आरोप है कि यहां आकर भी उन्नाव पुलिस का उनके साथ व्यवहार ठीक नहीं था. ऐसे में पंकज गुप्ता अपने कुछ समर्थकों के साथ सदर कोतवाली गेट के सामने धरने पर बैठ गए. उन्होंने सभ्रांत नागरिकों और बीजेपी कार्यकर्ताओं से अभद्रता करने का आरोप भी लगाया.

CO और ASP ने नहीं संभले हालात सीओ सिटी और एएसपी नॉर्थ वीके पांडेय मौके पर पहुंचे, लेकिन विधायक से बात नहीं बनी. विधायक को इस बात पर भी कोफ्त थी कि उन्नाव एसपी रोहन पी कनाय मौके पर नहीं पहुंचे. इधर विधायक समर्थकों की नारेबाजी के बाद कोतवाली परिसर में कई थानों की फोर्स के साथ ही भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया. विधायक पंकज गुप्ता दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अड़े हुए हैं. सुबह 5 बजे तक चला धरना प्रदर्शन विधायक और उनके समर्थकों का धरना प्रदर्शन सुबह पांच बजे तक चला. जब डीएम और एसएसपी ने पूरे मामले पर कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब जाकर विधायक ने धरना खत्म किया. डीएम रविंद्र कुमार ने बताया कि मंदिर बनाने पर विवाद था, जिसमें कुछ लोगों पर मामला दर्ज किया गया है. मामले में दोषियों का कहना है कि इन लोगों के साथ मारपीट हुई है और मेडिकल कराने की मांग की गई है. उन्होंने कहा कि इस प्रार्थना पत्र पर जो भी कार्रवाई होगी, वो की जाएगी.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय वायुसेना में राफेल के शामिल होने से उड़ी पाकिस्तान की नींद, जाहिर किया अपना डर

इस्लामाबाद :

पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने वो खबरें देखी हैं कि भारत ने फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमान खरीदे हैं, जिनमें सुधार कर उन्हें परमाणु हथियार से लैस किया जा सकता है। फ्रांस की कंपनी दसाल्ट एविएशन के साथ 36 राफेल विमानों का सौदा करने के करीब चार साल बाद भारत को पांच राफेल विमानों की पहली खेप बुधवार को प्राप्त हुई। भारतीय वायुसेना को करीब 23 साल पूर्व 1997 में रूस से खरीदे गए सुखोई-30केएम मिले थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा था कि राफेल विमानों के साथ से भारतीय वायुसेना भारत के समक्ष आने वाली किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए और मजबूत हो गई है, साथ ही जो लोग देश की सम्प्रभुता को नुकसान पहुंचाने की मंशा रखते हैं उनमें इस नयी ताकत से भय व्याप्त होना चाहिए। पाकिस्तान के विदेश विभाग की प्रवक्ता आयशा फारूकी ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "भारतीय वायुसेना द्वारा हाल ही में प्राप्त किए गए राफेल विमानों से जुड़ी खबरें हमने देखी हैं।" उन्होंने कहा, "यह परेशानी का सबब है कि भारत अपनी सुरक्षा जरूरतों से ज्यादा सैन्य क्षमता जुटाना जारी रखे हुए है।" उन्होंने कहा, "अत्याधुनिक प्रणाली का हस्तांतरण, जहां स्पष्ट मंशा उसे परमाणु हथियार ले जाने लायक बनाने की है, यह परमाणु हथियार जमा नहीं करने के अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं से किए गए वादे पर सवाल खड़े करता है।"

प्रवक्ता ने कहा, "दक्षिण एशिया में हथियारों की दौड़ के खिलाफ अपने रुख पर कायम रहते हुए भी पाकिस्तान, इन घटनाक्रमों के प्रति बेखबर बना नहीं रह सकता है, और वह गलत मंशा के साथ आक्रमकता के किसी भी कदम को नाकाम करने की अपनी क्षमता के प्रति आश्वस्त है।"

अभी धरती पर नहीं उतरेंगे NASA के अंतरिक्ष यात्री, रास्ते में तूफान बना बाधा

इंटरनेशनल डेस्क।

फ्लोरिडा के तट की ओर बढ़ रहे उष्णकटिबंधीय तूफान के मद्देनजर पहले स्पेसएक्स के अंतरिक्ष यात्रियों को धरती पर उतरने में विलंब हो सकता है। इस सप्ताह उनके धरती पर लौटने की योजना है। बुधवार को स्पेसएक्स और नासा ने अंतरिक्ष यान को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से रवाना होने और करीब दो महीने बाद घर लौटने को मंजूरी दे दी थी। नासा के पायलट डग हर्ले और बॉब बेनकेन या तो अंटलांटिक में उतरेंगे या फ्लोरिडा के तट के नजदीक मैक्सिको की खाड़ी में उतरेंगे। इस दौरान हवा की गति और लहरों के सापेक्ष रूप से शांत होने की जरूरत है। करीब 45 साल बाद अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पानी में उतरेंगे। प्रबंधक रविवार को पानी में यात्रियों को उतारने की तैयारी में लगे हैं लेकिन इसी दौरान फ्लोरिडा में मौसम की स्थिति ठीक नहीं रहने की आशंका जाहिर की गई है। नासा के प्रशासक जिम ब्रिडेनस्टाइन ने कैनेडी स्पेस सेंटर से कहा कि आपको यह याद रखना होगा कि यह परीक्षण यान है। अगर मौसम सही नहीं है या समुद्र की स्थिति सही नहीं है तो बॉब और डग को घर वापस लाने में हम समय ले सकते हैं। हमारी शीर्ष प्राथमिकता उनकी सुरक्षा है। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने 30 मई को इन दोनों यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजकर इतिहास बना दिया था। अंतरिक्ष की कक्षा में इंसान को भेजने वाली यह पहली निजी कंपनी है।

खेलने-कूदने की उम्र में 5 साल के बच्चे ने किया कमाल, साइकिल चलाकर जुटाया लाखों का कोरोना फंड

नेशनल डेस्क।

महामारी कोरोना वायरस ने दुनिया को उलट पुलट कर रख दिया है। इस महामारी का खौफ इस कदर बढ़ गया है लोग अपनों से ही किनारा कर रहे हैं। हालांकि कुछ ऐसी भी हैं जो इस जंग का डटकर सामना कर रहे हैं, वह अपनी परवाह किए बिना औरों की जिंदगी बचाने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में एक और नाम शामिल हो गया है 5 साल के बच्चे का। खेलने कूदने की उम्र में इस मासूम ने जो कर दिखाया वो काबिले तारीफ है। इस बच्चे का नाम है अनीशस्वर कुंचला, जिसने 3200 किमी साइकिल चलाकर कोरोना पीड़ितों की मदद की। अनीशस्वर ने साइकिलिंग के माध्यम से ही 3.7 लाख रुपये का फंड जुटा लिया। वह ब्रिटेन के 100 साल के बुजुर्ग थॉमस मूर (Thomas Moore) से प्रेरित है, जिन्होंने अपने गार्डन के 100 चक्कर लगाकर नेशनल हेल्थ सर्विस के लिए 3.17 अरब रुपये जुटाए थे। दरअसल आ बहादुर बच्चे ने 27 मई को अपने 60 दोस्तों के साथ मिलकर लिटिल पेडलर्स अनीश एंड हिज फ्रेंड्स नाम का एक अभियान चलाया था। पूरी दुनिया से

उनके इस अभियान को डोनेशन दिया। उन्हें भारत के अलावा अमेरिका के लोगों ने भी सपोर्ट किया। अनीश्वर का कहना है कि वह अभी और भी लोगों की मदद करना चाहते हैं और अधिक चैलेंज भी लेना चाहते हैं। बता दें कि अनीश्वर के माता-पिता आंध्र प्रदेश के चित्तूर के रहने वाले हैं और इस समय इंग्लैंड में रह रहे हैं।

यह कोई पहली बार नहीं है, जब वह लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं, ब्रिटेन में कोविड 19 महामारी से निपटने के लिए भी अनीश्वर नेशनल हेल्थ सर्विस को सपोर्ट करने के लिए क्रिकेट चैम्पियनशिप कर चुका है।

डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के साथ भारत पर भी साधा निशाना, बोले- भारतीय भी हैं लापरवाह

इंटरनेशनल डेस्क :

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया कि भारत, चीन और रूस अपनी एयर क्वालिटी का ध्यान नहीं रखते जबकि अमेरिका रखता है। उन्होंने पेरिस समझौते को "एकतरफा, ऊर्जा बर्बाद" करने वाला बताते हुए कहा कि वह इस समझौते से अलग हो गए जो अमेरिका को एक "गैर प्रतिस्पर्धी राष्ट्र" बना देता। ट्रंप ने ऊर्जा पर अपने संबोधन में कहा कि इन दंडात्मक पाबंदियों को लागू करके और पाबंदियों से इतर "वाशिंगटन के कट्टर-वामपंथी, सनकी डेमोक्रेट्स" असंख्य अमेरिकी नौकरियों, कारखानों, उद्योगों को चीन तथा प्रदूषण फैला रहे अन्य देशों को भेज देते।

ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि हम अपने वायु प्रदूषण पर ध्यान रखें लेकिन चीन इसका ध्यान नहीं रखता। सच कहूं तो भारत भी अपने वायु प्रदूषण पर ध्यान नहीं रखता। रूस अपने वायु प्रदूषण पर ध्यान नहीं रखता। ट्रंप ने कहा कि वायु प्रदूषण के मामले में चीन, रूस के साथ भारत भी लापरवाह है, लेकिन हम इस बात का ध्यान रखते हैं। जब तक मैं राष्ट्रपति रहूंगा तब तक हम हमेशा अमेरिका को पहले रखेंगे। यह बहुत ही सीधी-सी बात है।

अमेरिका पहले

राष्ट्रपति ने कहा कि वर्षों तक हमने दूसरे देशों को पहले रखा और अब हम अमेरिका को पहले रखेंगे। जैसा कि हमने अपने देश में शहरों में देखा कि कट्टरपंथी डेमोक्रेट्स न केवल टेक्सास के तेल उद्योग को बर्बाद करना चाहते हैं बल्कि वे हमारे देश को बर्बाद करना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे कट्टरपंथी डेमोक्रेट्स किसी भी रूप में देश को प्यार नहीं करते। उन्होंने कहा कि वह एकतरफा, ऊर्जा बर्बाद करने वाले पेरिस जलवायु समझौते से अलग हो गए थे। उन्होंने कहा कि यह एक आपदा थी और अमेरिका को इसके लिए अरबों डॉलर का हर्जाना देना पड़ता।

डोनाल्ड ट्रंप बोले- टाल दिए जाएं राष्ट्रपति चुनाव, 'मेल इन वोटिंग' से होगी धोखाधड़ी

वाशिंगटन :

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को इस साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को देरी से कराने का सुझाव दिया है। कोरोनावायरस का हवाला देते हुए ट्रंप ने कहा कि कोरोना के समय में मतदान कराना सही नहीं होगा। ट्रम्प ने एक ट्वीट में पूछा, 'जब तक लोग ठीक से, सुरक्षित रूप से मतदान नहीं कर सकते तब तक चुनाव में देरी ???' ट्रंप ने ट्वीट किया,'यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग के साथ इस साल चुनाव करना इतिहास का सबसे गलत और फर्जी चुनाव होगा। यह यूएसए के लिए एक बड़ी शर्मिंदगी साबित होगा। गौरतलब है कि इस समय ट्रंप चुनाव में बुरी तरह से पिछड़ रहे हैं।

अमेरिका में भारी तबाही मचा रहा कोरोना, अब तक डेढ़ लाख लोगों ने तोड़ा दम

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका में कोरोना वायरस ने आतंक मचा रखा है। यहां कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से मरने वालों की संख्या डेढ़ लाख के पार पहुंच कर 150,034 हो गई है। वहीं इस महामारी की चपेट में आने वालों की 4,396,030 पहुंच गई है। जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम्स साइंस एंड इंजीनियरिंग के अनुसार देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 4,396,030 पहुंच गई है। न्यूयॉर्क में सबसे अधिक 32,658, कैलिफोर्निया में 8,724, फ्लोरिडा में 6,332 और टेक्सास में 5,913 लोगों की मौत हुई है। टेक्सास महामारी के नए केन्द्र के रूप में सामने आया है। सीएसएसई के आंकड़ों के अनुसार न्यू जर्सी, मैसाचुसेट्स, इलिनोइस, पेंसिल्वेनिया और मिशिगन प्रांतों में छह हजार से अधिक मौतें हुई है।अमेरिका के सबसे बड़े राज्यों में से एक कैलिफोर्निया कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित है. राज्य में 4 लाख 74 हजार से ज्यादा संक्रमण के मामले अभी तक सामने आ चुके हैं।

अयोध्या की तरह सज रहा अमेरिका, 5 अगस्त को हर जगह दिखाई देंगे 'भगवान राम'

इंटरनेशनल डेस्क।

अयोध्या में पांच अगस्त को राम मंदिर के भूमि पूजन के अवसर पर यहां स्थित टाइम्स स्क्वायर में विशाल बिलबोर्ड पर भगवान राम और भव्य राम मंदिर के त्रिआयामी चित्र प्रदर्शित किए जाएंगे। आयोजकों का कहना है कि इस ऐतिहासिक क्षण को संजोने वाला यह अपनी तरह का अनोखा आयोजन होगा। अमेरिका भारत सार्वजनिक मामलों की समिति के अध्यक्ष जगदीश सेव्हानी ने बुधवार को कहा कि न्यूयार्क में पांच अगस्त को उस ऐतिहासिक क्षण का जश्न मनाने की तैयारी की जा रही है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन करेंगे। सेव्हानी ने कहा कि विशाल नैस्डेक स्क्रीन के अलावा 17,000 वर्ग फीट वाली एलईडी स्क्रीन पर त्रिआयामी चित्रों का प्रदर्शन किया जाएगा। पांच अगस्त को सुबह आठ बजे से रात 10 बजे तक हिंदी और अंग्रेजी में 'जय श्री राम%' प्रदर्शित किया जाएगा और भगवान राम के चित्र और वीडियो, मंदिर की संरचना के त्रिआयामी चित्र तथा प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शिलान्यास करने के चित्र कई होर्डिंग्स पर प्रदर्शित किए जाएंगे। टाइम्स स्क्वायर पर लगे यह बिल बोर्ड दुनिया के सबसे बड़े और आकर्षक बिल बोर्ड में से एक हैं और पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। सेव्हानी ने कहा कि भारतीय समुदाय के लोग भी पांच अगस्त को टाइम्स स्क्वायर पर एकत्र होकर उत्सव मनाएंगे और मिठाइयां बांटेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक जीवनकाल या एक शताब्दी में एक बार होने वाली घटना नहीं है। यह मानव जाति के जीवनकाल में एक बार होने वाली घटना है। हम इसे उत्सव के रूप में मनाना चाहते हैं और राम जन्मभूमि शिलान्यास का उत्सव मनाने के लिए टाइम्स स्क्वायर से बेहतर स्थान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि पांच अगस्त को टाइम्स स्क्वायर भगवान राम के चित्रों से पटा होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर निर्माण पूरे विश्व के हिंदुओं के सपने सच होने जैसा है।

छह साल पहले हमने नहीं सोचा था कि ऐसा दिन भी आएगा। लेकिन मोदी के नेतृत्व में यह दिन आया है और हम इसे उचित तरीके से मनाना चाहते हैं।

कनाडा में पुलिस ने किया चोर गिरोह का भंडाफोड़, चार पंजाबियों सहित 21 लोग हुए गिरफ्तार

ब्रैम्पटन। कनाडा में ओंटारियो की पील रीजनल पुलिस के कमर्शियल ऑटो क्राइम ब्यूरो ने एक चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार पंजाबियों सहित 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 42 लाख कनाडियन डॉलर की 36 लग्जरी कारें बरामद की गई है। चोरों ने पील क्षेत्र के भीतर और साथ ही ओंटारियो के कई शहरों में कार डीलर कंपनियों को अपना निशाना बनाया था।

आरोपियों से बरामद हुई लग्जरी कारें

यह गिरोह के सदस्य चोरी के इन वाहनों का दूसरे नंबर से पंजीकरण करवाकर इन वाहनों को ओंटारियो में चलाते आ रहे थे। जब्त किए गए वाहनों में ब्रांडेड कारें फोर्ड, जी.एम.सी., शेवरले और डॉज शामिल हैं। साथ ही कैडिलैक, पोर्श और लेम्बोर्गिनी सहित लग्जरी ब्रांड भी बरामद किया गया है। 21 आरोपियों के साथ गिरफ्तार पंजाबियों में परमजीत निरवान(55)ब्रैम्पटन, जानवीर सिद्धू(33) ब्रैम्पटन, करनजोत परिहार(32)ब्रैम्पटन, सिमरजीत निरवान(25)ब्रैम्पटन शामिल हैं। पुलिस अब सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

अमेरिका का परसेवरेंस रोवर लॉन्च, मंगल पर हेलिकॉप्टर उड़ाने की तैयारी

इंटरनेशनल डेस्क :

मंगल ग्रह की चट्टान को पहली बार धरती पर लाकर किसी प्राचीन जीवन के प्रमाण की जांच के लिए उसका विश्लेषण करने के वास्ते अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अब तक का सबसे बड़ा और जटिल रोवर बृहस्पतिवार को प्रक्षेपित किया। लंबे समय तक चलने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत कार के आकार का रोवर बनाया गया है जो कैमरा, माइक्रोफोन, ड्रिल और लेजर से युक्त है। नासा का 'परसेवेरेन्स' नामक रोवर, शक्तिशाली एटलस-5 राकेट पर सवार होकर मंगल की यात्रा पर सुबह निकल पड़ा। चीन और संयुक्त अरब अमीरात ने भी पिछले सप्ताह मंगल पर पहुंचने के लिए अपने रोवर भेजे हैं। उम्मीद है कि तीनों देशों के रोवर सात महीने और 48 करोड़ किलोमीटर की यात्रा करने के बाद अगले साल फरवरी तक लाल ग्रह पर पहुंच जाएंगे। प्लूटोनियम की शक्ति से संचालित, छह पहियों वाला रोवर मंगल की सतह पर छेद कर चट्टानों के सूक्ष्म नमूने एकत्र करेगा जिन्हें संभवतः 2031 में धरती पर लाया जाएगा। इस कवायद में और देशों के शामिल होने की भी उम्मीद है। रोवर की कुल लागत आठ अरब अमेरिकी डॉलर बताई जा रही है। इस अभियान से मंगल पर जीवन के प्रमाण खोजने के अलावा लाल ग्रह के बारे में बहुत सी जानकारी प्राप्त होगी जिससे 2030 के दशक तक मानव अभियान के लिए मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है। यान के प्रक्षेपण से कुछ देर पहले नासा के प्रशासक जिम ब्रिडेन्स्टीन ने कहा, «हमने इस रोबोट (रोवर) का नाम परसेवेरेन्स किसी कारण से रखा है। क्योंकि मंगल पर जाना बहुत कठिन है।' अंग्रेजी शब्द 'परसेवेरेंस' का अर्थ है दृढ़ता या संकल्पित होकर किसी कार्य को करना। ब्रिडेन्स्टीन ने कहा, 'यह हमेशा कठिन रहा है। यह कभी सरल नहीं रहा। महामारी के बीच यह और भी कठिन कार्य था।'विश्वभर से मंगल पर जाने वाले आधे से अधिक अभियान में यान या तो जल गए हैं या टकरा कर बर्बाद हो गए। अमेरिका अकेला देश है जिसने मंगल पर एकदम सुरक्षित तरीके से अंतरिक्ष यान उतारने में सफलता पाई है। इस बार भेजा गया रोवर अमेरिका का नौवां अभियान है और नासा को उम्मीद है कि वह सुरक्षित उतर जाएगा। यदि सब कुछ ठीक रहा तो रोवर मंगल पर 18 फरवरी 2021 को उतरेगा। रोवर में 25 कैमरे और दो माइक्रोफोन हैं। परसेवरेंस जेजेरो क्रेटर पर जाकर जीवन के प्रमाण तलाश करेगा। माना जाता है कि इस स्थान की चट्टानों पर सूक्ष्म जीवों के अवशेष हैं और वहां तीन अरब साल पहले एक झील थी। रोवर, टाइटेनियम के ट्यूब में चट्टान के 15 ग्राम नमूने एकत्र करेगा। वह एक नन्हा हेलीकॉप्टर भी छोड़ेगा जो किसी दूसरे ग्रह पर उड़ान भरने का पहला प्रयास होगा।

संक्षिप्त समाचार

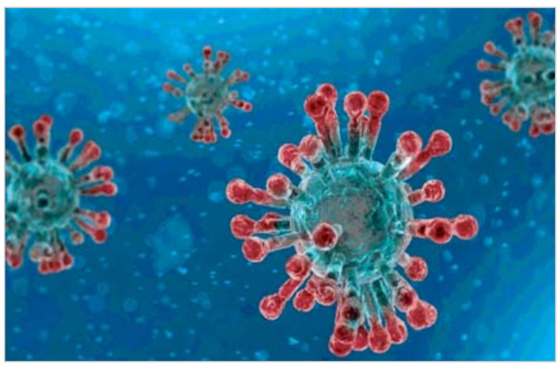

चिली में कोरोना के 1773 नए मामले, संक्रमितों की संख्या 351,575 हुई

सेंटियागो . चिली में एक दिन में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के 1773 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 351,575 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बुधवार को पिछले 24 घंटों में कोरोना के 1,773 नए मामले सामने आए है और 38 मरीजों की मौत हुई जिसके बाद देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 9,278 हो गई है।उन्होंने कहा कि नए मामलों में 1294 लक्षण वाले और 346 मामले बिना लक्षण वाले है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि देश में 17,740 सक्रिय मामले है जबकि 324,557 लोग स्वस्थ हो चुके है। उल्लेखनीय है कि रात के कर्फ्यू सहित लॉकडाउन और सामाजिक दूरी का पालन करवाने में पुलिस के साथ सेना की मदद की जा रही है।मंगलवार को राजधानी सैंटियागो और महानगरीय क्षेत्र में 40 में से सात जिलों में आंशिक रूप से लॉकडाउन को हटा लिया गया है।

मराठवाड़ा में कोरोना के 589 नये मामले, 22 की मौत

औरंगाबाद । महाराष्ट्र में मराठवाड़ा क्षेत्र के आठ जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) के 589 नये मामले दर्ज किये गये तथा 22 मरीजों की मौत हुईइस क्षेत्र में इस जानलेवा विषाणु के कारण होने वाली मौतों की संख्या 795 हो गयी है, जबकि 21846 लोग अब तक इससे प्रभावित हुए हैं। बुधवार रात तक 14497 लोग इस महामारी से निजात पाने में कामयाब हुए हैं।विभिन्न जिला मुख्यालयों से यूनीवार्ता द्वारा संग्रहित किये गये आंकड़ों के अनुसार मराठवाड़ा क्षेत्र में दर्ज किये गये नये मामलों में से औरंगाबाद में सर्वाधिक 197 मामले तथा सात की मौत, उस्मानाबाद में आठ की मौत तथा 130 मामले, नांदेड़ में 40 मामले तथा चार की मौत, लातूर में 102 मामले, जालना में 41 मामले तथा एक की मौत, परभणी में 13 मामले तथा एक की मौत और हिंगोली में आठ मामले तथा एक मरीज की मौत हुई है।

विश्व में कोरोना संक्रमितों की संख्या करीब 1.70 करोड़, 6.65 लाख से ज्यादा की मौत

बीजिंग/जिनेवा/नई दिल्ली . वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या 1.70 करोड़ के पास पहुंच गयी है, जबकि 6.65 लाख से अधिक लोगों की इसके कारण अब तक मौत हो चुकी है।कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है जबकि भारत मृतकों की संख्या के मामले में छठे स्थान पर है।अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 16957763 हो गयी है जबकि अब तक इस महामारी के कारण 665581 लोगों ने जान गंवाई है।विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 4424806 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 150683 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 2552265 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 90134 लोगों की मौत हो चुकी है।भारत में पिछले 26 घंटों के दौरान इस संक्रमण के 52123 नये मामले दर्ज किये गये हैं और संक्रमितों की संख्या अब 1583792 हो गयी है। अब तक कुल 1020582 मरीज स्वस्थ हुए हैं जबकि 34968 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। देश में इस समय कोरोना के 528242 सक्रिय मामले हैं।रूस कोविड-19 संक्रमित मामलों में चौथे नंबर पर है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 827509 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 13650 लोगों ने जान गंवाई है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है जिसके कारण कोरोना से संक्रमित होने के मामले में दक्षिण अफ्रीका पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इससे अब तक 471123 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 7497 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं मैक्सिको में कोरोना से अब तक 408449 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 45361 लोगों की मौत हुई है।पेरू में भी लगातार हालात खराब होते जा रहे है। यहां संक्रमितों की संख्या 395005 हो गई तथा 18612 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 से संक्रमित होने के मामले चिली अब आठवें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इससे अब तक 351575 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 9278 है।ब्रिटेन संक्रमण के मामले में नौवें नंबर पर है। यहां अब तक इस महामारी से 303058 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 46046 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। वहीं खाड़ी देश ईरान में संक्रमितों की संख्या 298090 हो गई है और 16343 लोगों की इसके कारण मौत हुई है। वहीं स्पेन में कोरोना संक्रमितों की संख्या 282641 है जबकि 28,441 लोगों की मौत हो चुकी है।पड़ोसी देश पाकिस्तान में कोरोना से अब तक 276288 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 5892 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं सऊदी अरब में कोरोना संक्रमण से अब तक 272590 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 2816 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं कोलंबिया में इससे अब तक 267385 लोग प्रभावित हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शराब मामले के आरोपी से 80 हजार रिश्वत मांगने वाला पुलिसकर्मी गिरफ्तार

क्रांति समय सुरत

राजकोट , एन्टी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने शराब के मामले में गिरफ्तार शख्स से मारपीट नहीं करने के बदले में 80 हजार रुपए रिश्वत मांगने आरोप में राजकोट के भक्तिनगर पुलिस थाने के कांस्टेबल को हिरासत में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं।

जानकारी के मुताबिक एक जागृत नागरिक की शिकायत के आधार पर राजकोट की भक्तिनगर पुलिस ने मेहुल मावजी डांगर नामक पुलिसकर्मी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आरोप है कि शिकायतकर्ता के एक दोस्त को शराब के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

शराब के मामले में गिरफ्तार शख्स के साथ मारपीट नहीं करने के एवज में कांस्टेबल मेहुल डांगर ने रिश्वत के तौर पर रु. 90000 की मांग की थी।

बाद में रु. 80000 देना तय हुआ। लेकिन शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था,

इसलिए उसने एसीबी से शिकायत कर दी।

जिसके आधार पर एसीबी ने जाल बिछाया।

शिकायतकर्ता जैसे ही रिश्वत की रकम लेकर पुलिस थाने पहुंचा और मेहुल डांगर के उसे

स्वीकार करने के साथ ही एसीबी ने उसे धर लिया।

डीजीपी ने गुजरात पुलिस नियमावली का मसौदा मुख्यमंत्री को सौंपा

ई-बुक के रूप में अंग्रेजी के साथ गुजराती में भी उपलब्ध नियमावली उपयोगी साबित होगी

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को गुरुवार को गांधीनगर में राज्य के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव संगीता सिंह की

मौजूदगी में गुजरात पुलिस नियमावली-2020 का मसौदा सौंपा। इस मौ. के पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन और इस नियमावली को तैयार करने में सहयोग देने वाले वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। वर्ष 1975 में गुजरात राज्य की पुलिस नियमावली तैयार होने के बाद पहली बार यह नई पुलिस नियमावली-2020 लगभग 45 वर्षों की अवधि के बाद तैयार की गई है। मौजूदा समय में नई पुलिस नियमावली तैयार करने वाला गुजरात आंध्र प्रदेश के बाद दूसरा राज्य बना है। पुलिसिंग के अधिनियम, प्रक्रियाएं, नियम और तकनीक में समय-समय पर हुए व्यापक परिवर्तन के चलते 1975 में तैयार हुई नियमावली समक. ालीन पेशेवर संदर्भ में अप्रचलित, पुरानी और असंगत थी।

पुलिस नियमावली के पुराने नियमों की समीक्षा और संशोधन कर गुजरात पुलिस के लिए सटीक, सर्वग्राही, सुव्यवस्थित और संपूर्ण पुलिस नियमावली तैयार करने के भाग के रूप में गुजरात पुलिस नियमावली-2020 का मसौदा तैयार किया गया है।

गुजरात पुलिस नियमावली के इस नए मसौदे को ई-बुक के माध्यम से भी उपलब्ध कराया गया है

इसलिए यह ई-बुक पॉकेट-कॉप एप्लीकेशन और गुजरात पुलिस की वेबसाइट पर सर्च की सुविधा के साथ उपलब्ध रहेगा।

गुजरात पुलिस के तमाम संवर्ग के अधिकारी आसानी से समझ सकें और इसका उपयोग कर सकें इस उद्देश्य से गुजरात पुलिस नियमावली के मसौदे को गुजराती भाषा में भी उपलब्ध कराया जाएगा।

इतना ही नहीं, समयानुकूल आवश्यक सुधार की गुंजाइश भी होगी। गुजरात पुलिस मैनुअल-2020 के मसौदे को तीन हिस्सों में तैयार किया गया है। इन तीन हिस्सों में दण्ड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी), साक्ष्य अधिनियम, पोस्को अधिनियम 2012, अनुसूचित जाति और जनजाति संशोधन अधिनियम 2015, जुवेनाइल जस्टिस (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) संशोधन अधिनियम-2014, आईटी (संशोधन) अधिनियम 2008 को शामिल किया गया है।

इसके अलावा, इन तीन हिस्सों में नई तकनीक जैसे की साइबर फोरेंसिक लैब, साइबर क्राइम जांच उपकरण, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टूल्स तथा अन्य लागू किए गए संशोधनों का भी समावेश किया गया है।

यही नहीं, नए आर्थिक अपराधों मल्टी लेवल मार्केटिंग, जाली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) के मामले, मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध और अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद जैसी संगठित आपराधिक गतिविधियों को नियंत्रित करने की प्रक्रिया का भी इस गुजरात पुलिस मैनुअल के तीन हिस्सों में शामिल किया गया है।

यह नया गुजरात पुलिस मैनुअल नागरिकों की निरंतर सेवा, अभेद्य सुरक्षा और अखंड शांति प्रदान करने के लिए तत्पर गुजरात पुलिस के पेशेवर दृष्टिकोण को और असरदार बनाने में मदद करेगा।

गुजरात के विभिन्न धर्म संस्थानों से जुड़े 7 लोगों को राम मंदिर शिलान्यास कार्यक्रम का आमंत्रण

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के भूमि पूजन आयोजन में लोगों को आमंत्रित करने का सिलसिला आरंभ हो गया है। गुजरात के अलग-अलग धर्म सं. स्थान से जुड़े सात लोगों को मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम का न्योता मिला है। इसमें स्वामी नारायण संप्रदाय के एक संत, विश्व हिंदू परिषद से जुड़े अविचल दास महाराज शामिल हैं। गौरतलब है कि अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन कार्यक्रम 5 अगस्त हा. `गा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लाल कृष्ण आडवाणी, उमा भारती समेत करीब 200 मेहमान शिरकत करेंगे। मेहमानों की लिस्ट पीएमओ भेजी गई थी।

पीएमओ को लिस्ट भेजने के बाद लोगों को न्योता भेज दिया है।

इस बीच राम मंदिर के डिजाइन में बदलाव किया गया है। मंदिर के मुख्य वास्तुकार सी। सा. `मपुरा के बेटे और वास. तुकार निखिल सोमपुरा ने कहा कि मंदिर का पिछला डिजाइन 1988 में तैयार किया गया था।

उसे 30 साल से अधिक समय हो चुका है। हमने सोचा कि इसका आकार बढ़ाया जाना चाहिए। मंदिर की ऊंचाई 141 फीट से बढ़ाकर 161 फीट कर दी गई है।

वास्तुकार निखिल

सोमपुरा ने आगे कहा कि मंदिर के डिजाइन में दो और मंडपों को जोड़ा गया है और पहले के डिजाइन के आधार पर उकेरे गए पत्थरों और सभी स्तंभों का उपयोग भी किया जाएगा। नए डिजाइन में सिर्फ दो नए 'मंडप' जोड़े गए हैं। 1988 में तैयार मूल डिजाइन में मंदिर की ऊंचाई 141 फीट थी, जिसे बढ़ाकर 161 फीट लंबा कर दिया गया है। निखिल सोमपुरा ने कहा कि मंदिर के निर्माण में करीब साढ़े तीन साल लगेंगे। जैसे ही भूमि पूजन समारोह संपन्न होगा, वैसे ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। मशीनरी और सामग्रियों के साथ लार्सन और टुब्रो की टीम मौके पर पहुंच गई है और नींव का काम तुरंत शुरू हो जाएगा। काम पूरा होने में तीन से साढ़े तीन साल लगेंगे। तीन दिवसीय वैदिक अनुष्ठान भव्य भूमि पूजन समारोह से पहले आयोजित किया जाएगा। यह अनुष्ठान नींव के पत्थर के रूप में 40 किलो चांदी की ईंट की स्थापना को लेकर होगा। अनुष्ठान 3 अगस्त को 'गौरी गणेश' पूजा के साथ शुरू होगा और इसके बाद 4 अगस्त को 'रामरचा' होगा, जिसमें बिना रूके 'राम नाम' का पाठ किया जाएगा।

डेढ़ महीने में पुलिस ने बगैर मास्क पहने निकले लोगों से वसूला 2.19 करोड़ जुर्माना

क्रांति समय सुरत

सूरत, शहर में कोरोना संक्रमितों की संख्या तेजी बढ़ रही है, इसके बावजूद लोग समझने को तैयार नहीं हैं और बगैर मास्क पहने बेखौफ होकर घूम रहे हैं। ऐसे लोगों ने सूरत पुलिस ने डेढ़ महीने के भीतर 2.19 करोड़ रुपए जुर्माना वसूल किया है।

जो सूरत महानगर पालिका के मुकाबले चार गुना अधिक है।

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए देशभर में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है।

लेकिन ज्यादातर लोग इसे हलके में ले रहे हैं और बगैर मास्क पहने घूम रहे हैं।

सूरत में मास्क नहीं पहनने पर पहले रु. 100 जुर्माना था, जिसे अब बढ़ाकर रु. 200 कर दिया गया है।

जुर्माने की रकम बढ़ने के बावजूद बगैर मास्क लोग घूम रहे हैं।

पहले महानगर पालिका बगैर मास्क नहीं लगाने पर

जुर्माना वसूल करती थीं। लेकिन 16 जून से पुलिस को भी यह अधिकार दे दिया गया हैं।

पुलिस को यह अधिकार मिलने के बाद अब तक 2.19 करोड़ का जुर्माना वसूला गया है।

पुलिस ने अब तक 109626 लोगों से रु. 21925200 रुपए बतौर जुर्माना वसूल किया हैं।

जबकि सूरत महानगर पालिका ने अब तक 15111 लोगों का चालान काट 5487740 रुपए जुर्माना वसूला है।

जबकि महानगर पालिका 1 जून से बगैर मास्क लगाए लोगों से

जुर्माना वसूल कर रही थीं।

जबकि पुलिस ने 16 जून से जुर्माना वसूली की शुरुआत की थी,

इसके बावजूद उसने 2.19 करोड़ रुपए जुर्माना वसूल किया है,

जो महानगर पा. लिका से चार गुना ज्यादा है।

बता दें कि सूरत में दिन प्रति दिन कोरोना संक्रमितों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

ऐसे में महानगर पालिका ने नियमों का उल्लंघन करने वालों से जुर्माना वसूली के लिए जोनवाइज टीमें बना दीं हैं,

ताकि बगैर मास्क पहने निक. ले लोगों को दंडित किया जा सके आगामी 1 अगस्त से राज्य में बगैर मास्क पहने निकले तो रु. 500 का जुर्माना देना होगा

अनलॉक-3 के तहत गुजरात में 1 अगस्त से हट जाएगा रात्रि कर्फ्यू

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता और उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल की उपस्थिति में गुरुवार को आयोजित

उच्चस्तरीय बैठक में भारत सरकार द्वारा जारी अनलॉक-3 के दिशा-निर्देशों के तहत गुजरात के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार मुख्यमंत्री ने 1 अगस्त से राज्य में रात्रि कर्फ्यू को पूरी तरह से हटाने की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि राज्य में दुकानें रात 8 बजे तक और होटल रेस्तरां रात 10 बजे तक खुले रखे जा सकते हैं। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देश और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार राज्य में जिम और योग केंद्र 5 अगस्त से खोले जा सकते हैं।

बैठक में यह भी निर्धारित किया गया कि इसके अलावा अन्य मामलों में राज्य सरकार केंद्र सरकार द्वारा जारी मौजूदा दिशा-निर्देशों का अनुसरण करेगी।

बैठक में मंत्री कौशिकभाई पटेल, मंत्री सौरभभाई पटेल, राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, मुख्य सचिव अनिल मुकीम, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव संगीता सिंह एवं मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव मनोज कुमार दास उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)